हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 348 | बेमेतरा, सोमवार 04 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ी राज्यों में नहीं थम रहा बारिश का कहर, मैदानी इलाकों में रहेगी राहत

नईदिल्ली। मानसूनी बारिश पहाड़ी राज्यों के साथ ही मैदानी इलाकों में भी कहर बनकर बरस रही है। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश से हुए भूस्खलन के कारण चंडीगढ़-मनाली फोरलेन बंद हो गया, जिससे कई वाहन फंस गए। अगले 1-2 दिनों तक कुछ राज्यों में भारी बारिश से राहत मिल सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 2-3 अगस्त 2025 तक राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है। हिमाचल प्रदेश के लाहुल घाटी में शुक्रवार को 3 जगह बादल फटने से बाढ़ आ गई। प्रदेश में शनिवार को 8 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कई जगहों पर बादल फटने का भी खतरा है। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा 3 अगस्त तक के लिए स्थगित है। उत्तराखंड में मार्ग अवरुद्ध होने से केदारनाथ यात्री फंसे हैं। साथ ही राज्य के 10 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मानसून राजस्थान में खूब मेहरबान हुआ है, जिसके चलते जुलाई में पिछले साल की तुलना में 77 फीसदी अधिक बारिश हुई है।

चुनाव आयोग ने बीएलओ का पारिश्रमिक बढ़ाकर दोगुना किया

नईदिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले देश में कार्यरत सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को बड़ी सौगात दी है। आयोग ने सभी बीएलओ के पारिश्रमिक को दोगुना करने के साथ ही चुनाव कार्य में लगे अन्य कर्मचारियों का पारिश्रमिक भी बढ़ाया है। आयोग ने इस संबंध में सभी राज्य निर्वाचन आयुक्तों को आदेश भी जारी कर दिए हैं। बता दें, बीएलओ समेत अन्य कर्मचारियों के परिश्रमिक में 2015 के बार से इजाफा नहीं हुआ था। चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है कि बीएलओ के वार्षिक पारिश्रमिक को दोगुना किया गया है। इसके अलावा मतदाता सूचियों की तैयारी एवं पुनरीक्षण में शामिल बीएलओ पर्यवेक्षकों का पारिश्रमिक भी बढ़ाया गया है। इससे पहले साल 2015 में ऐसा संशोधन किया गया था।

तेजस्वी यादव की बढ़ेंगी मुश्किलें

दो वोटर आईडी कार्ड मामले में चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

पटना/ एजेंसी

मतदाता पुनरीक्षण कार्य और नए वोटर लिस्ट को लेकर लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर रहे तेजस्वी यादव खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता शनिवार से ही तेजस्वी यादव पर हमला बोल रही है। उन पर मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप लगा रही है। अब चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस भेज दिया है। उनसे सवाल पूछा कि दो-दो एपिक नंबर आपने कहां से लाया? इसलिए आप अपने एपिक कार्ड का विवरण मूल प्रति सहित आयोग को उपलब्ध कराएं। चुनाव आयोग ने लेटर जारी कर कहा कि दो अगस्त को आयोजित प्रेस वार्ता में आपके द्वारा आपका नाम प्रारूप मतदाता सूची में अंकित नहीं होने की बात बतायी गयी। जांचोपरांत यह पाया गया कि आपका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन) के क्रम संख्या 416 पर अंकित है, जिसका एपिक संख्या आरएबी 0456228 है। प्रेस वार्ता के उद्धरण से आपके अनुसार, आपका एपिक संख्या आरएबी 2916120 है, प्राथमिक जांच के अनुसार, एपिक संख्या आरएबी 2916120 आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होती है। आपकी ओर आयोजित प्रेस वार्ता में बताये गये उल्लिखित ईपिक कार्ड का विवरण (कार्ड की मूल प्रति सहित) अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने की कृपा की जाये, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके। अनुमंडल पदाधिकारी पटना सदर द्वारा नेता प्रतिपक्ष

को भेजे पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा चुनाव आयोग से जो सवाल पूछा गया था और कई बिन्दुओं को स्पष्ट करने की मांग की गई थी, उससे ध्यान भटकाना चाहती है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए प्रारुप में बड़े पैमाने पर अनियमितता पाई गई है। प्रारुप के जिस पृष्ठ पर तेजस्वी यादव जी का नाम अंकित दिखाया गया है उसी पृष्ठ पर अनेकों अनियमितता पाई गई है। तेजस्वी जी जिस मकान में रहते हैं उसी मकान में मंटू कुमार भी रहते हैं। इसी प्रकार मकान संख्या 107 में विभिन्न उपनामों वाले मतदाताओं के नाम हैं। क्या एक ही परिवार के लोग विभिन्न उपनामों का प्रयोग करते हैं? इन विसंगतियों का जिम्मेदार कौन है? इसका जवाब कौन देगा? चुनाव आयोग को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि बिहार में प्रेसवार्ता के दौरान जो एपिक नंबर तेजस्वी यादव ने सार्वजनिक रूप से दिया, वह था-आरएबी 2916120, जिसे वेबसाइट पर डालकर दिखाया और कहा कि इस पर कहीं भी उनका नाम नहीं आ रहा है अर्थात उनका नाम काट दिया गया है। डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग और पटना के रिटर्निंग ऑफिसर सह डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट डॉ. त्यागराजन ने पूरे मामले की सच्चाई सामने लाते हुए स्पष्ट किया है।

भाजपा ने पूछे सवाल- तेजस्वी के पास दो एपिक नंबर कैसे हैं?

इस तरह तेजस्वी यादव के दो एपिक नंबर सामने आए हैं। भाजपा ने तेजस्वी और राजद से पूछा है कि तेजस्वी यादव के पास दो एपिक नंबर कैसे हैं? कौन सा सही है? क्या उन्होंने जानबूझकर भ्रम फैलाने के लिए गलत नंबर पढ़ा? या फिर उनका इरादा कुछ और था? क्या तेजस्वी यादव के पास दो वोटर आइडी कार्ड हैं? क्या यही वजह है कि तेजस्वी यादव एसआईआर से डरे हुए हैं? उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक दलों के लगभग 1,50,000 बीएलए में से एक भी बीएलए किसी बीएलओ के पास शिकायत लेकर नहीं गया। 3223 नए नाम जोड़ने के लिए आवेदन जरूर किए गए हैं, लेकिन किसी ने ये नहीं कहा कि मेरा या मेरे परिवार का नाम गलत तरीके से हटा दिया गया है। सवाल है कि ये राजद के 47,526 बीएलए कर क्या रहे हैं?

इन-इन मुद्दों पर मंथन करेगा विपक्ष

सात अगस्त को राहुल के घर पर इंडियन ब्लॉक की अहम बैठक...

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की अगली बैठक 7 अगस्त को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डिनर के दौरान होगी और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 70-80 सीटों पर धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत मामूली बहुमत से जीते हैं और यदि 15 सीटें भी सही तरीके से हुई होतीं, तो वो प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। इसके साथ ही, बैठक में कई मुद्दे उठाए जा

सकते हैं। जिसमें बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से संभावित टैरिफ (शुल्क) धमकी शामिल है। पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए थे, जिसमें एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के मौजूदा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे शामिल थे। इस बार फारूक अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस) ने भी पुष्टि की है कि वे बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वे बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे, जिसे भाजपा-जेडीयू गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी, 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में वाड्रा को समन जारी किया है. स्पेशल जज सुशांत चंगोट्रा ने वाड्रा को 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है. कोर्ट ने वाड्रा को समन जारी करने के मामले में 24 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था. बता दें कि 17 जुलाई को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल किया था. इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं. उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है.

इन मुलाकातों के मायने क्या हैं?

पीएम मोदी के बाद अमित शाह भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। अचानक अमित शाह के राष्ट्रपति से मिलने से सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। दरअसल अमित शाह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की थी। यह मुलाकात राष्ट्रपति भवन में हुई। संसद में विपक्ष के हंगामे के बीच यह मीटिंग हुई। विपक्ष बिहार में चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। वे इसी मुद्दे

पर संसद में बहस चाहते हैं, लेकिन सरकार तैयार नहीं है। इसलिए संसद ठीक से नहीं चल पा रही है। हालांकि, पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू की मुलाकात का कारण अभी तक साफनहीं है। इस बीच अमित शाह और राष्ट्रपति की मुलाकात से सियासी हलचल और तेज हो गई है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति के बीच यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान आगामी 9 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार, 7 अगस्त को चुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की जाएगी।

मामले में एक व्यक्ति को दबोचा

गडकरी के घर को बम से उड़ाने की झूठी धमकी.....

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर में बम लगाने की झूठी धमकी देने वाले एक शख्स को नागपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में नागपुर के डीसीपी रुशिकेश सिंगारेड्डी ने बताया कि उन्हें एक फोन आया जिसमें कहा गया कि नितिन गडकरी के घर में बम लगाया गया है और वह जल्द ही फटने वाला है। इस फोन के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और बम स्क्वॉड को बुलाया गया, केंद्रीय मंत्री के घर की सुरक्षा को सतर्क किया गया और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद बम स्क्वॉड ने घर की पूरी तरह से जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। तब पुलिस को

समझ में आ गया कि यह एक झूठी कॉल है। इसके बाद पुलिस ने फोन करने का लोकेशन ट्रेस किया और उसे ढूंढ निकाला। पुलिस ने बताया कि इस मामले में उमेश राउत नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। कॉल उसी के फोन से किया गया था।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए, कहा-मर चुकी है भारत की चुनाव प्रणाली

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और देश में चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव 2024 में जमकर धांधली हुई थी और वह आने वाले दिनों में इसे साबित भी कर देंगे। राहुल ने यह बात दिल्ली में आयोजित वार्षिक कानूनी सम्मेलन 2025 में कही है। राहुल ने कहा, मैं चुनाव प्रणाली पर बात कर रहा हूं। मुझे 2014 से ही शक था कि इसमें कुछ गड़बड़ है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी मुझे ऐसा ही शक हुआ था। उन्होंने कहा, जब भी हमने इस बारे में बात की, लोगों ने पूछा कि सबूत कहां है?

कोरबा जेल में ऐश

कोरबा जिले के संप्रेषण गृह में टीवी पर गैंगस्टर गाने सुनता किशोर,वीडियो किया वायरल उठे गंभीर सवाल

कोरबा/ संवाददाता

कोरबा जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसने राज्य की जेल और बाल संप्रेषण गृहों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में कोरबा स्थित बाल संप्रेषण गृह से चार किशोरों के फरार होने के बाद एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें एक किशोर संप्रेषण गृह के अंदर टीवी पर 'गैंगस्टर' गाने सुनता हुआ दिखाई दे रहा है। इतना ही नहीं, इस किशोर अपराधी ने वीडियो को सोशल मीडिया पर 'कोरबा जेल में ऐश' लिखकर पोस्ट किया है। यह वायरल

वीडियो, जो अब सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल रहा है, संप्रेषण गृह के अंदर की लापरवाही को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वीडियो में दिख रहा किशोर बेखौफ तरीके से टीवी पर आपराधिक थीम वाले गाने सुन रहा है, जबकि संप्रेषण गृह जैसी जगह पर जहां किशोरों को सुधारने और अनुशासित रखने का उद्देश्य होता है, ऐसी गतिविधियों की अनुमति देना ही अपने आप में एक बड़ी चूक है। किशोर ने संप्रेषण गृह के अंदर की अपनी 'ऐश' को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। 'कोरबा जेल में ऐश' का कैप्शन न केवल उसकी बेख़ौफ़ मानसिकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि वह संप्रेषण गृह की व्यवस्था को कितनी आसानी से धता बता रहा था। इस मामले में हमने महिला बाल विकास के अधिकारी रेणु प्रकाश को फोन कर संपर्क करना चाहा लेकिन फोन करने के बाद कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई जिन्हें व्हाट्सएप पर इस संबंध में जानकारी मांगी गई लेकिन कोई भी जवाब सामने नहीं आया। बाल संप्रेषण गृह में लापरवाही का कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं जहां केवल जांच और जांच होती है।

यूपी के गोंडा में बड़ा हादसा

बेकाबू होकर नहर में गिरी बोलेरो,11 की मौत चार घायल,सीएम आदित्यनाथ योगी ने जताया दुख......

यूपी / एजेंसी

यूपी के गोंडा में बड़ा हादसा हो गया। यहां बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। बोलेरो में 15 लोग सवार थे। चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग पृथ्वीनाथ मंदिर जल चढ़ाने जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहागांव-खरगूपुर मार्ग के पास यह हादसा हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि लगातार बारिश की वजह से नहर के किनारे रास्ता फिसलन वाला हो गया था। बोलेरो की स्पीड थोड़ी ज्यादा थी। वो अचानक बेकाबू हो गई और देखते ही देखते नहर में जा समाई। आसपास मौजूद लोगों ने यह देखा तो दौड़कर वहां पहुंचे। लोगों ने डूब रहे लोगों को बचाने की कोशिश के साथ ही पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचवाया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख जताते हुए अधिकारियों से मौके पर मौजूद रहकर राहत और बचाव का काम तेजी से कराने और घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।

उन्होंने मृतकों के परिवारीजनों को 5-5 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया है। गोंडा जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र के ही सीहा गांव के रहने वाले दो परिवारों के 15 लोग संयुक्त रूप से रविवार की सुबह बोलेरो से जिले के ही खरगूपुर में स्थापित पांडवकालीन प्रसिद्ध पृथ्वी नाथ मंदिर पर जलाभिषेक और दर्शन पूजन के लिए जा रहे थे। इटियाथोक थाना क्षेत्र के रेहरा गांव के पास वे पहुंचे ही थे कि बेकाबू होकर बोलेरो पटरी से सरयू नहर में जा गिरी। आसपास के लोगों ने यह देखा तो दौड़कर वहां पहुंचे। उन्होंने नदी में गिरी बोलेरो के शीशे को तोड़कर उसमें से सभी को एक-एक कर बाहर निकाला। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। चार लोग घायल थे जिन्हें एंबुलेंस से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को नहर से बाहर निकाला।

आदित्य का सरकार से सवाल

ब्लॉक बस्टर मैच या भावनाओं से खिलवाड़

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। ठाकरे ने कहा कि जब एक ओर पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है, जिसमें भारतीय जवान शहीद हुए हैं, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेला जाना देश की भावनाओं के साथ सरासर मजाक है। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने कहा कि ब्लॉकबस्टर मुकाबला बताया जा

रहा है, लेकिन सरकार एक शब्द नहीं बोलती। ये शर्मनाक है। उन्होंने पूछा कि जब पाकिस्तान को लेकर दुनियाभर में भारत प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है, तो बीसीसीआई को इस टूर्नामेंट से हटने को क्यों नहीं कहा गया?

ठेकेदार की मनमानी जिम्मेदार लोगों की संरक्षण से विकास कार्यों में दिखावे का खेल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिक्षा के मंदिर में दिखावे का खेल का कब होगा अंत मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत होने वाले गुणवत्ता विहिन कार्यो की हकिकत देखना हो तो वर्तमान में भोथीडिह के नव निर्मित अतिरिक्त शाला भवन निर्माण से अनुमान लगाया जा सकता है। की किस तरह पूरे जिले भर में ठेकेदारों के साथ मिली भगत कर निर्माण कार्यो में दिखावे के लिए निर्मित किया गया है। जिनका उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि दोषियों के उपर कड़ी कार्यवाही हो सके। भोथीडिह निर्माण कार्य में ठेकेदार पर यह कहावत

उल्टा चोर कोटवार को डाटे एकदम फिट हो रहा है ठेकेदार और ग्रामीणों के बीच काफी नोक झोंक के दौरान शास. पूर्व माध्य. शाला की अतिरिक्त नया भवन कार्य भोथिडीह जिनकी स्वीकृति राशि-29.36 लाख है जो मुख्य मंत्री शाला जतन योजना के स्वी.वर्ष - 2024-25 का है जिसमें कार्य प्रारंभ का दिनांक - 28/12/2024 का उल्लेख स्कूल दिवाल र ठेकेदार के द्वारा बनाए गए सूचना पटल पर लिखा हुआ है

निर्माण कार्य एजेंसी का नाम का उल्लेख नहीं सिर्फ कार्य पालन अभियंता यात्रिकी सेवा उप.संभाग बेमेतरा लिखा हुआ है। एक और बेहतर विकास और निर्माण की बात करने वाली सरकार के खोखले दावे को ठेकेदारों ने स्पष्ट कर रहा है यह अनुमान लगा सकते हैं कि मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत जितने भी निर्माण कार्य जिले में हुआ है वह पूर्ण रूप से भारत सही हुआ है इसकी उच्च स्तरीय जांच अवश्य होनी चाहिए ताकि गद्दार और सरकार की आंखों में धूल झोंक कर सरकार की छवि खराब करने में तुले ठेकेदार एवं उनके काले करतूत पर पर्दा डालने वाले इंजीनियरों के खिलाफ में कड़ी कार्यवाही हो सके।

ठेकेदार के उपर गंभीर आरोप

शाला विकास समिति के अध्यक्ष कों जो उखाड़ना है उखाड़ लो कहते हुए पुलिस बुलाकर उठवा देने की धमकी से गांव के ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखने को मिला ग्रामीणों का कहना था कि जो दलदली स्कूल प्रांगण है उसे सूखने देना चाहिए सूखने के बाद ही डीपीसी का कार्य किया जाए यदि ऐसा नहीं किया जाता तो कुछ ही दिनों के बाद में डीसी पूर्ण रूप से फट जाएगा जिससे नौनिहाल पढ़ने वाले बच्चों के हाथ पैर को नुकसान पहुंचा सकता है। ठेकेदार का क्या है कार्य कर चलते बनेगा गुंजाइश तो गांव के ही नोनीहाल बच्चों और ग्रामीणों को करना है इस दौरान कुछ हो जाता है तो जिम्मेदार अफसर के सिर पर कलंक का टीका झेलना पड़ेगा। इससे पहले ठेकेदार से मजबूती के साथ कार्य कराया जाए। यह पूरा वाक्य छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला के नवागढ़ विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत भोथीडीह का है जहां ठेकेदार के ऊपर शासकीय प्राथमिक स्कूल के सामने स्कूल ग्राउंड मे सीमेंटीकरण का कार्य किया जा रहा था, जिसमे ठेकेदार की घोर लापरवाही और निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप, ग्रामीणों और शाला अध्यक्ष ने ठेकेदार पर दलदल मे मुरुम बिना सूखे सीमेंट ढलाई करने का आरोप लगाया है, जो गुणवत्ता के मानकों का खुला उल्लंघन है। जिससे भविष्य में काफी नुकसान का सामना ग्रामीणों एवं शासन प्रशासन को झेलनी पड़ेगी।

ठेकेदार की धमकी

ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार को कार्य रोकने के लिए कहा गया, इस बात को लेकर जिम्मेदार अफसर को इंजीनियर को और विभाग की अधिकारियों को सूचित किया गया ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इस बात को लेकर अनविभागी दंडाधिकारी सहित जिला पंचायत के सीईओ जनपद सीईओ तक को उनकी सूचना दी गई कि जिस तरीके से ठेकेदार मनमानी करते हुए दलदलीय क्षेत्र पर सिर्फ मुर्गी डालकर दलदल पर डीसी का कार्य करने का आरोप और शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत होने के बावजूद भी ठेकेदार मनमानी करते हुए कार्य शुरू कर दिया इस बात से नाराज ग्रामीणों ने हल्ला बोल दी और कार्य तत्काल बंद कराने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने लगी वही साल विकास प्रबंधक के अध्यक्ष को ठेकेदार धमकाते हुए नजर आए शाला विकास समिति के अध्यक्ष को ठेकेदार ने उठवा देने की धमकी भी दे दी।

इंजीनियर की भूमिका संदिग्ध

इस मामले में इंजीनियर की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है, जो ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करने से बचते नजर आए। इस बात को बताते हुए ग्रामीणों ने कहा कि ठेकेदार से मिलकर इंजीनियर कार्य जल्दी से कर देने तथा गुणवत्ता विहीन कार्य करने वाले ठेकेदार को संरक्षण दे रही है ।

ग्रामीणों का आक्रोश : ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि क्या ठेकेदार अपने घर में भी इसी तरह की निर्माण कार्य करवाएगा? शासन द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन ठेकेदार की मनमानी और अभद्र व्यवहार से ग्रामीणों में आक्रोश है।प्रशासन से जांच की मांगः इस मामले में प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करने की मांग कि, ताकि शाला निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनी रहे और बच्चे के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

दलित परिवार पर हमले के आरोपी सरपंच पति की अग्रिम जमानत हाईकोर्ट से भी खारिज, फिर भी अब तक गिरफ्तारी नहीं!

- भीम आर्मी का अल्टीमेटम – एक हफ्ते में गिरफ्तारी वरना उग्र आंदोलन
- पुलिस विभाग पर उठ रहे सवाल

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जिले के नवगांव, बलौदा ब्लॉक के गांव के सरपंच पति परमानंद राठौर पर दलित परिवार पर जानलेवा हमला, जातिसूचक गालियाँ, महिलाओं को धमकाने और पूरे परिवार को समाजिक रूप से अपमानित करने का संगीन आरोप है। एफआईआर हुए एक महीना बीत चुका है लेकिन आरोपी अब तक फरार है।हाईकोर्ट ने 1 अगस्त को आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, इससे पहले 9 जुलाई को जिला अदालत ने भी जमानत ठुकरा दी थी। मगर पुलिस अब तक सिर्फ कागज़ी खानापूर्ति में ही व्यस्त है, गिरफ्तारी दूर की बात है!

क्या है मामला...?

13 और 15 जून 2025 की रात, गांव नवगांव में सरपंच पति परमानंद ने अपने 10ङ्क12 गुर्गों के साथ मिलकर एक दलित परिवार पर हमला कर दिया।

घटना के मुख्य बिंदुः

पीड़ित सतीश कुमार के परिवार पर रात 9 बजे हमला, जातिसूचक गालियाँ - ÷नीच जाति÷, ÷हरिजन होकर बोलने की हिम्मत?÷, महिलाओं और बच्चों को देखकर धमकियाँ- ÷काम खत्म कर दूंगा÷

पूरा परिवार घर में कैद होकर चिल्लाता रहा। आरोपी ट्रैक्टर से गांव का मुख्य मार्ग 10 दिन तक दबंगई पूर्वक बंद किए बैठा था।

स्न्ढ्ढक्र में देरी, कार्रवाई में सुस्ती

पीड़ित ने 16 जून को आजाक थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दी। मगर एफआईआर 01 जुलाई को दर्ज हुई।

दर्ज धाराएं:- ढ्ढक्क धारा 296, 324, 351(2)

एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध)

न्यायालय का रुख, लेकिन पुलिस मौन

9 जुलाईः जिला न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज की, 1 अगस्तः हाईकोर्ट ने भी आरोपी को कोई राहत नहीं दी, याचिका खारिज, फिर भी पुलिस का कहना है: ÷आरोपी फरार है, तलाश जारी है÷।

सवालः क्या हाईकोर्ट की टिप्पणी भी गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त नहीं?

भीम आर्मी और सामाजिक संगठनों की चेतावनी

भीम आर्मी, अंबेडकरवादी मोर्चा और अन्य दलित संगठनों ने 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है: ÷अगर गिरफ्तारी नहीं हुई, तो बलौदा ब्लॉक से लेकर जांजगीर जिला मुख्यालय तक उग्र प्रदर्शन होगा।÷

पुलिस कप्तान विजय पांडे पर उठे सवाल

ताबड़तोड़ कार्रवाई के लिए पहचाने जाने वाले पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडे की चुप्पी और पुलिस का ढीला रवैया सवालों के घेरे में है।

÷क्या कोई दबाव है, या फिर दलितों को न्याय देना प्राथमिकता नहीं?÷

अब जनता पूछ रही है- स्न्ढ्ढक्र में देरी क्यों हुई? हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी गिरफ्तारी क्यों नहीं?

क्या आरोपी को राजनीतिक संरक्षण है?

अब सिर्फ एक मांगः गिरफ्तारी हो-तुरन्त हो- नहीं तो उबाल सड़कों पर दिखेगा।

मड़वा प्लांट में मजदूरों द्वारा सही मजदूरी मांगने पर ठेकेदार ने दिखाई बंदूक, मजदूर शिकायत लेकर पहुंचे विधायक कश्यप के पास

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

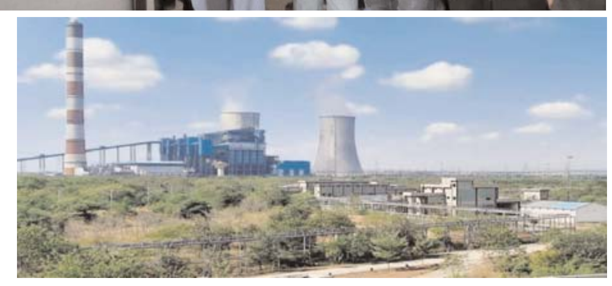

मड़वा प्लांट भी हमेशा से ही सुर्खियां में बना हुआ है। ताजा मामला मड़वा प्लांट में मजदूरों के शोषण का आ रहा है जहां ठेकेदार से मजदूरों द्वारा अपने मजदूरी का सही रेट मांगने पर उनके ऊपर बंदूक तानते हुए गंदीगंदी गली गलौज करने और काम से निकलने का मामला प्रकाश में आया है।

एक तरफ सरकार द्वारा समय समय पर शासन की नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए शिविर का आयोजन किया जाता है मगर धरातल पर कुछ और ही देखने को मिल रहा है। आज भी जगह जगह मजदूर वर्ग शोषित हो रहा ही । इसी का ताजा उदाहरण शासन द्वारा संचालित अटल बिहारी वाजपाई ताप विद्युत गृह मड़वा से निकल कर आ रहा है। इस कंपनी में अलग अलग डिपार्टमेंट में कई ठेकेदार अपने अंदर कर्मचारी रख कर कार्य संपादित करते आ रहे है तो वही मजदूरों के लिए शासन द्वारा अलग से मजदूरी तय की गई परंतु ठेकेदारों के द्वारा अपने मनमानी रेट में मजदूरों को रोजी दी जाती है क्योंकि मजदूर अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मजबूरी में कार्य करने को मजबूर रहते है। आपको बता दे कि मड़वा प्लांट में काम करने वाली कंपनी हेम्स कार्पोरेशन का है जहां पर न्याय उचित मजदूरी मांगने पर कंपनी के विनय सिंह द्वारा गली गलौज करते हुए मजदूरों पर बंदूक के दम पर काम से निकाल दिया है तो वही उसी कंपनी के अंडर का कर्मचारी एच आर अजय साहू के द्वारा मजदूरों से मजदूरी में बनाए रखने के नाम पर 20ङ्क20 हजार तक की घुस मांगा जाता रहा है। जिससे यहां काम करने वाले मजदूर शोषित हो रहे है। अब इनकी सुनेगा कौन ? यह समस्या इनके समाने उत्पन्न हो चुकी है और आज ये सब बेरोजगार हो गए है। क्या सरकार के जवाबदार अधिकारी इन मजदूरों की समस्या सुनकर इनका हल करेगी या फिर ठेकेदारों को मनमर्जी जारी रहेगी।

जांजगीर चांपा विधानसभा के विधायक व्यास कश्यप ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया है कि मजदूर वर्ग मेरे कार्यालय पहुंचकर मुझे अपनी समस्या बताते हुए पत्र प्रस्तुत कर कार्यवाही के लिए कहे है तब मैने प्लांट के अधिकारियों से बात करने कोशिश की मगर रविवार का अवकाश होने की वजह से संपर्क नहीं बन पाया है और इसके बाद मैने थाने में फोन कर घटना पर अपराध दर्ज करने के लिए कह दिया है साथ ही कहा कि अगर मजदुर का शोषण ठेकेदार बंदूक की नोक पर करेगा तो यहां नहीं चलेगा। विनय सिंह जैसे व्यक्ति पर शासन प्रशासन द्वारा सख्त से सख्त कार्यवाही करने के लिए मजदूरों के साथ मैं हमेशा खड़ा मिलूंगा । कश्यप ने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ के भोले भाले मजदूरों को मात्र और मात्र तृतीय वर्ग और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी श्रेणी में लाकर काम लिया जाता है जिससे इनका नियमित शोषण हो रहा है और अपने आप को ठगा सा महसूस करते है।तो वही कम मजदूरी के विषय में बात करते हुए बताया कि सभी मजदूरों को शासन द्वारा निर्धारित दर से मजदूरी का भुगतान किया जाना चाहिए। अन्यथा अधिकारियों द्वारा ठोस कार्यवाही करवाएंगे।

अटल बिहारी वाजपाई विद्युत ताप गृह मड़वा के एच एन कोसरिया ने बताया कि आपको बता रहे है वो सच है तो मामले कीमजदूरों से जानकारी मिलने पर उचित कार्यवाही की जाएगी और बंदूक दिखाने वाली बात पर कोसरिया ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यहां कोई जंगल राज नहीं है। नियमानुसार उक्त व्यक्ति पर कार्यवाही के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र के महिला कमांडो का बैठक लिया जाकर आवश्यक जानकारी दिया गया

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के असमाजिक तत्वों के व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा पामगढ़ में महिला कमाण्डो का बैठक लिया गया जिसमें आवश्यक चर्चा किया गया

ग्राम में बाहरी व्यक्तियों के आवाजाही की सूचना देना।ग्राम में अवैध कारोबार में सम्मिलित व्यक्तियों की सूचना देना। ग्राम की किसी बड़ी समस्या के बारे में भी थाना को अवगत कराना। गांव क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री करने वालो एवं जुआ सट्टा खेलने एवं खिलाने वालो के संबंध में जानकारी देना। ग्राम में साइबर/ट्रैफिक/नशामुक्ति आदि के संबंध में ग्रामीणों को थाने के सहयोग से जागरूक करना।

मिट्टी की दीवार से पी एम आवास की सम्मान की दीवार तक : लछन बाई की कहानी

अकेलेपन से आत्मसम्मान तक - लछन बाई की नई शुरुआत

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत पामगढ़ के मेऊ गांव के एक कोने में, समय और परिस्थितियों से हारी एक बुजुर्ग महिला श्रीमती लछन बाई टूटे फूटे, कच्चे घर में जैसे-तैसे जिंदगी गुजार रही थीं। कोई बेटा न बेटी और न कोई सहारा। एक कच्ची झोपड़ी में अकेले रहते हुए उनका जीवन हर दिन एक नई चुनौती था। जिस छत के नीचे जीवन के दिन बीत रहे थे, वह छत टपकती थी, मिट्टी की दीवारें बरसात में गल जाती थीं, और ठंडी रातें हड्डियों तक चुभ जाती थीं। आँखों में आंसू और सीने में उम्मीद थी, लेकिन वह उम्मीद भी हर मानसून में बह जाती थी। फिर एक दिन पी एम आवास योजना ने उनके

जीवन की दिशा बदल दी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ?1.20 लाख की सहायता राशि और मनरेगा से 21600 मजदूरी स्वीकृत हुई। बुजुर्ग होने के बावजूद, लछन बाई ने खुद ईट उठाई, मिट्टी ढोई और छत तक अपनी मेहनत से घर खड़ा कर दिया। उनकी यह बात दिल छू जाती है कि ये मेरा घर है, मेरी मेहनत से बना है। वह कहते हुए अतीत की यादों में खो जाती है और कहती कि इस बार बारिश आईज लेकिन अब उनके घर की कच्ची दीवारें नहीं गलीं, सर्दी आईज लेकिन अब ठिठुरन घर के भीतर नहीं घुसी, अब वह घर सिर्फ छत नहीं, सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। टूटी छत, असुरक्षित घर, बरसात और ठंड से बचाव नहीं पक्की छत, नया मजबूत घर, सुरक्षित जीवन, खुद का कोई घर नहीं अब खुद के नाम से पक्का मकान बन गया। उन्होंने कहा कि पहले छप्पर में रहते थे, अब पी एम आवास योजना के पक्के मकान में उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को बहुत बहुत धन्यवाद दिया और कहा कि सरकार की मदद से पक्का घर मिला है। हमें बहुत राहत मिली है।÷ मेरा घर मेरा सपना साकार हो गया और मेरी मेहनत उससे भी ज़्यादा।

'वृक्ष केवल पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए हैं संजीवनी - एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू

एक पेड़ माँ के नामक्क अभियान के तहत पुलिस कॉलोनी में पौधारोपण – गूंजा पर्यावरण का संदेश

- नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नागरिकों से अपील की कि कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम पर लगाएं अवश्य
- पुलिस परिवारों से आत्मीय भेंट की और बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनके चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सावन माह के पावन अवसर पर बीते रविवार को पुलिस कॉलोनी बेमेतरा स्थित शिवालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, वार्ड क्रमांक- 02 पार्षद श्रीमती रीता पांडेय सहित पुलिस परिवार ने भगवान शिव एवं हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

पूजन उपरांत ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत पुलिस आवासीय कॉलोनी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भावनात्मक एवं पर्यावरणीय चेतना से परिपूर्ण पहल में फूलदार, फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया।

एसएसपी रामकृष्ण साहू ने कहा कि ÷वृक्ष केवल पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए संजीवनी हैं।÷ उन्होंने बताया कि वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण में ऑक्सीजन का संचार करते हैं, जिससे पर्यावरण संतुलित और शुद्ध बना रहता है। उन्होंने वृक्षों से प्राप्त होने वाले फलों, छाया और औषधीय गुणों की महत्ता भी बताई और कहा कि पौधारोपण न केवल पुण्य का कार्य है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित उपहार भी है। उन्होंने सभी से अपने परिसरों को स्वच्छ एवं हरित बनाने का आह्वान किया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नागरिकों से अपील की कि वे भी÷एक पेड़ माँ के नाम÷अभियान से जुड़ें और कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम पर अवश्य लगाएँ। उन्होंने इसे मातृत्व के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरे-भरे भविष्य का संकल्प बताया। सभी ने मिलकर ÷हरियाली बढ़ाओ, माँ का मान बढ़ाओ÷ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। एक पेड़ माँ के नाम÷ न केवल एक वृक्षारोपण कार्यक्रम है, बल्कि यह एक आंदोलन है, यदि हर व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाए, तो यह पृथ्वी और भावी पीढ़ियों के लिए सबसे सुंदर उपहार होगा। यह न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाने में सहायक होता है, बल्कि भूमि की उर्वरता को भी बढ़ाता है। इस अवसर पर अतिथियों ने पुलिस परिवारों से आत्मीय भेंट की, बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। कार्यक्रम में भागीदारी कर पुलिस परिवारों ने इस पहल को सार्थकता प्रदान की। वार्ड पार्षद श्रीमती रीता पांडेय ने कहा, ÷माँ और वृक्ष दोनों जीवनदाता हैं ङ्क एक हमें जन्म देती है, दूसरा जीवनदायिनी प्राणवायु।÷यह पहल मातृत्व को प्रकृति से जोड़ने का अभिनव प्रयास है।*एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों व पुलिस परिवार से आह्वान किया कि वे अपने परिसर और आवासीय क्षेत्रों में खाली भूमि का उपयोग हरियाली बढ़ाने हेतु करें। उन्होंने इसे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक कल्याण से जोड़ते हुए सामूहिक भागीदारी की अपील की।*कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी कोमल ठाकुर, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, रक्षित केन्द्र व पुलिस कॉलोनी के अधिकारी एवं कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अच्छे संस्कार और विचार के साथ समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत –उप मुख्यमंत्री साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव साहु समाज सामाजिक भवन लोकार्पण एवं प्रतिभावान छात्रों के सम्मान समारोह में हुए शामिल

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

उप मुख्यमंत्री अरुण साव बीते रविवार को जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार में आयोजित साहु समाज के सामाजिक भवन का लोकार्पण एवं प्रतिभावान छात्रों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। इसके पूर्व उन्होने जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में नवनिर्मित सामाजिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि साहु समाज द्वारा बहुत ही सुंदर सामाजिक भवन का निर्माण कराया गया है। इस सुंदर भवन की तरह ही अपने समाज को भी बनाना होगा। प्रदेश में सबसे बड़ा साहु समाज है इसकी प्रतिष्ठा बनाए रखना होगा।समाज एकजुट होकर आगे बढ़े। अच्छे संस्कार और विचार के साथ अपने समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होने कुरीतियों को विकास में बाधक बताते हुए इसे समाज से दूर करने की बात कही। वर्तमान में मोबाइल व इंटरनेट के बढ़ते उपयोग और उसके दुष्परिणामों के प्रति सचेत रहने की अपील करते हुए कहा कि आज हर हाथ में मोबाइल है और लोग इसमें व्यस्त है। इसके दुष्परिणाम के बारे में सोचना होगा और केवल अच्छी जानकारी के लिए उपयोग को बढ़ावा दें। उन्होने छात्र -छात्राओ से कहा कि परीक्षा में मेरिट आने में अपनी मेहनत के साथ अपने माता -पिता व गुरुजनों का भी उतना ही योगदान है। उन्होंने कहा कि जीवन में नैराश्य और आलस्य कभी न आने दें। ये दोनों आगे बढ़ने में हमेशा बाधक होते हैं।उप मुख्यमंत्री ने धर्मान्तरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोग अपने पुरखो से चली आ रही धार्मिक रीति को त्यागने तैयार हो रहे जो बड़ी गंभीर बात है। समाज को इसके कारणों पर गहन विचार और लोगों को एकजुट करना होगा।इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने समाज की मांग पर विभिन्न निर्माण कार्य के लिए 16 लाख 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री एवं राजस्व मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने ऑडिटोरियम परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन साहु, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव, साहु समाज के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार साहु, उपाध्यक्ष मनीराम साहु, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, लक्ष्मी बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि,साहु समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाज के लोग उपस्थित थे।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर एक दिवसीय श्री राम चरित्र मानसगान कार्यक्रम आयोजित

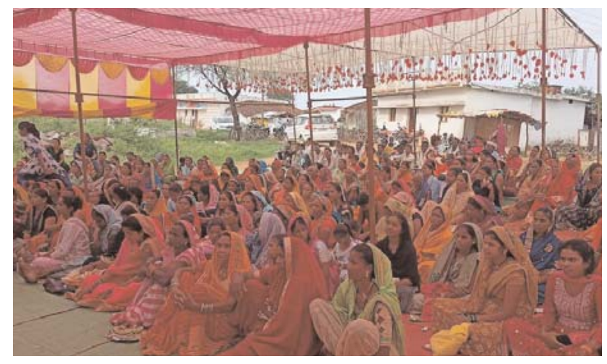

मगरलोड/मूक पत्रिका

ग्राम रेंगाडीह मे समस्त ग्रामवासी की सहयोग से गोस्वामी तुलसीदास जयंती के सुअवसर मे एक दिवसीय राघवेंद्र सरकार गुणगान श्री राम चरित्र मानसगाण सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया सम्मेलन मे कुल 6 मंडली हिस्सा लिया है जनपद अध्यक्ष वीरेंद्र साहू ने बताया की रामायण हमारे हिन्दू संस्कृति का प्रतिक है बबा तुलसीदास ने रामायण को बड़ा ही सरल सहज शब्दों से अवधि भाषा मे प्रस्तुत किये है टिका राम कँवर ने बताया की किस प्रकार से तुलसीदास ने रामायण लिखा है तुलसीदास जी महाराज के सपनो मे स्वयं भगवान श्री राम और हनुमान आते थे इस प्रकार से रामायण का रचना हुआ है भगवान राम के चरितार्थ को अपने जीवन मे उतारना चाहिए .कार्यक्रम मे मुख्यातिथि जिला पंचायत धमतरी सभापति टिकाराम कँवर विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत मगरलोड अध्यक्ष वीरेंद्र साहू अतिथि जनपद सदस्य बबिता योगेश्वर ध्रुव सरपंच लाला राम यादव एसकुमार साहू बेनूराम साहू सोमप्रकाश साहू संचालक टेकराम साहू बेदराम दीवान युवराज साहू दूजराम ध्रुव भारत लाल ध्रुव ग्राम बैगा भगवानी साहू दिनेश्वर दीवान लोकसिंग ध्रुव निर्मल साहू उदे राम ध्रुव मोहन यादव हुकुम लाल साहू सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

महापौर संजय पाण्डे के जन्मदिन पर वृक्षारोपण और 'न्योता भोज' का आयोजन

जगदलपुर /मूक पत्रिका

जगदलपुर नगर निगम के महापौर एवं स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्य आयुक्त संजय पाण्डे का जन्मदिन आज भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सेजेस कन्या क्रमांक 2 में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नीलमोहर का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया, जिसके बाद सभी उपस्थितजनों के लिए 'न्योता भोज' का भी?आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में गाइड कलर पार्टी द्वारा अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। संजय पाण्डे के साथ खेम सिंह देवांगन, लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्राही, राणा घोष, श्रीमती कसेर, हरीश पारेख, श्रीमती साहू, और वृक्ष मित्र सम्पत झा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।मंचीय कार्यक्रम में स्काउट्स एवं गाइड्स परंपरा के अनुसार अतिथियों को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया गया। छात्रों द्वारा तैयार किए गए पौधे अतिथियों को भेंट कर उनका सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन श्रीमती सुधा परमार द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने सभी का हार्दिक अभिनंदन किया।वृक्ष मित्र सम्पत झा ने इस अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷अपने नाम को पौधों से वृक्ष बनाकर अमर हो जाना।÷ उन्होंने इस पहल को महापौर के जन्मदिन को एक स्थायी और सार्थक तरीके से मनाने का बेहतरीन तरीका बताया। अपने उद्बोधन में महापौर संजय पाण्डे ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसे पुनीत कार्य करने से हमें प्रकृति मां से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने वृक्षों को 'प्राण वायु ऑक्सीजन' प्रदान करने वाला बताते हुए उनके रोपण और संरक्षण के महत्व पर जोर दिया, ठीक उसी प्रकार जैसे एक माँ अपने संतान का आजीवन ध्यान रखती है।कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव लिलेश देवांगन द्वारा किया गया। मंचीय कार्यक्रम के पश्चात् वृक्षारोपण किया गया, जिसमें संजय पाण्डे ने नीलमोहर का पौधा लगाया। खेमसिंह ने चीकू का पौधा रोपा, जबकि अन्य अतिथियों ने जामुन, आम, कटहल और काजू के पौधे लगाए।वृक्षारोपण के बाद, सभी अतिथियों और छात्र-छात्राओं को 'न्योता भोज' कराया गया। वृक्षारोपण और भोजन की समस्त व्यवस्था वृक्ष मित्र सम्पत झा द्वारा की गई थी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्टाफ सदस्यों में संजय मूर्ति, संजीव शील, रज्जी वर्गिस और स्काउट्स गाइड्स से मनोज महापात्र, दसरुराम यादव, मीरा हिरवानी, श्रीमती जयंती लोहाना, जमुना ठाकुर, दीपा ठाकुर, गिरवर रावटे के साथ-साथ अन्य स्काउट्स एवं गाइड्स का विशेष योगदान रहा। स्टाफ के सभी साथियों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आत्मानंद स्कूल चांपा में व्यवस्था की खुली पोल अव्यवस्थाओं के बीच संचालित हो रहा स्कूल

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी मंडल चांपा द्वारा इन दिनों नगर के शासकीय संस्थानों की व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से एक विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत भाजपा के लगभग 8 से 10 नेताओं की एक टीम नगर के विभिन्न शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की हकीकत का जायजा ले रही है।इसी कड़ी में बीडीएम अस्पताल का निरीक्षण करने के पश्चात भाजपा नेताओं की टीम चांपा स्थित आत्मानंद शासकीय विद्यालय पहुंची। निरीक्षण के दौरान नेताओं ने स्कूल परिसर, कक्षाएं, रसोईघर, खेल मैदान आदि का अवलोकन किया एवं अध्ययनरत बच्चों से पढ़ाई, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सीधी बातचीत की। बच्चों ने बातचीत में बताया कि स्कूल में दिए जा रहे मध्याह्न भोजन में चावल, दाल और सब्जी सही से नहीं पकती, जिससे खाने में कठिनाई होती है। साथ ही, बच्चों ने यह भी शिकायत की कि उन्हें खेल सामग्री खेलने नहीं दिया जाता। निरीक्षण के दौरान भाजपा नेताओं ने कई अन्य खामियों को भी चिन्हित किया। स्कूल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई।इस अभियान की नगरवासियों के बीच व्यापक चर्चा हो रही है। नागरिकों का कहना है कि भाजपा द्वारा की जा रही यह पहल न केवल सराहनीय है, बल्कि इससे शासकीय संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। आमजन की यह भी अपेक्षा है कि निरीक्षण के दौरान उजागर हुई खामियों पर जल्द प्रशासनिक कार्रवाई हो, ताकि व्यवस्थाओं में वास्तविक सुधार हो सके।

चांपा मसीही समाज के प्रतिष्ठित नागरिक 'शशि कांत प्रकाश' का देवलोक गमन

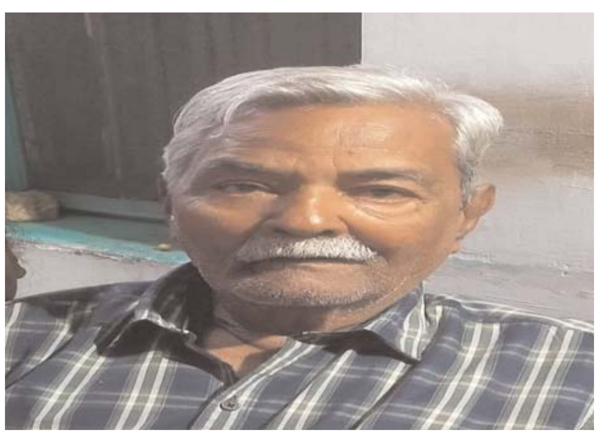

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

बेलदार पारा के निवासी कोलकाता पोर्ट से सेवानिवृत चीफ अभियंता प्रकाश का 87 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। वह विगत कुछ माह से बीमार थे। अपने पीछे उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती स्वर्णलता प्रकाश (रिटायर्ड मैट्रनट्ठकोलकाता डॉक लेबर बोर्ड हॉस्पिटल),अपने पुत्र सलिल पुत्र वधू ईशा, बड़ी बेटी नैना दास,दामाद प्रीतम दास,कनिष्ठ पुत्री अंजना प्रकाश,दामाद आशुतोष ताम्रकार, नाती नातिन सुजॉय,महिमा,अनुमिता, अबीर सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। शशिकांत, डीकनेस स्व श्रीमती मालती प्रकाश, स्व सज्जन प्रकाश के ज्येष्ठ सुपुत्र थे।वह अपने पांच भाई बहनों में सबसे बड़े थे। उनके चले जाने से मसीही समाज ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार के तहत ही प्रेस अपनी भूमिका निभाता है : कुलवंत सिंह सलूजा

प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और उपयोगिता आज भी बनी हुई है

कुलवन्त सिंह सलूजा अध्यक्ष -प्रेस क्लब चांपा
अनंत थवाईत स्वतंत्र पत्रकार

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

प्रेस क्लब चांपा के अध्यक्ष एवं संपादक कुलवंत सिंह सलूजा विगत चालीस वर्षों से भी अधिक समय से पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं .समय के साथ पत्रकारिता तथा पत्रकार संगठनों की भूमिका आदि को लेकर उनके दीर्घकालीन अनुभव को देखते हुए मेरी उनसे भेंटवार्ता हुई। भेंटवार्ता के आधार पर चर्चा के प्रमुख अंश पाठकों के सामने प्रस्तुत कर रहा हूं- अनंत थवाईत स्वतंत्र पत्रकार। प्रिंट मीडिया (अखबार) और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बीच अंतर और महत्ता पर चर्चा करते हुए कुलवंत सिंह सलूजा कहते हैं कि डिजिटल दुनिया के बीच भले ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शीघ्र ही लोगों तक खबरें पहुंचाने का काम कर रही है लेकिन उसके बाद आज भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और उपयोगिता बनी हुई है.प्रिंट मीडिया के साथी तथ्यों के आधार पर समाचार लिखते हैं.और आखिरी निर्णय पाठक पर छोड़ते हैं.जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार समाचार प्रसारण के साथ ही समाचार को लेकर खुद ही निर्णायक की भूमिका अदा कर बैठते हैं.दूसरे शब्दों मे कहा जाए तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अदालत की तरह भूमिका निभाते हुए दिखाई देती है जहां वह खुद ही पक्षकार , पैरवीकार, और न्यायाधीश के रुप मे अपनी भूमिका निभाते दिखाई देती है.और यह सब सबसे पहले खबर प्रसारण के चक्कर मे होता है. चर्चा के दौरान ÷तब और अब÷ की पत्रकारिता (अखबारों) के प्रति अपना दृष्टिकोण रखते हुए कुलवंत सिंह सलूजा कहते है कि आजादी के पहले पत्रकारिता एक मिशन थी . अंग्रेजों के खिलाफ शंखनाद थी .कलम के सिपाही अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुए अखबार निकाला करते थे .शासक के विरुद्ध आवाज उठाना अखबारों की प्राथमिकता हुआ करती थी.स्वतंत्रता के बाद भी पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य शासन की खामियों को सार्वजनिक रूप से प्रगट करते हुए सरकार और जनता के बीच संवाद स्थापित करने हेतु एक सेतु के रुप मे कार्य करने की रही है .साथ ही यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पत्रकारिता एक प्रकार से सत्ता की खामियों को उजागर करने के लिए एक सशक्त विपक्ष की भूमिका भी निभाते रही है. मिशन से मशीन तक का सफर करते हुए आज अखबारों के प्रकाशन मे भी बहुत कुछ बदलाव हो चुका है .देश दुनिया की खबरों के साथ साथ विज्ञापन के सहारे अखबारों का भी बाजारीकरण हो चुका है. आज जब एक नाई और दर्जी भी अपने कामों को लेकर स्पेशलिस्ट लिखते है. ठीक इसी तरह अखबारों मे भी प्रकाशन के लिए संपादकों और प्रबंधकों को स्पेशलिस्ट प्रतिनिधि की जरुरत होती है यही कारण है कि आज अखबारों मे व्यवसायिक ,साहित्यिक , राष्ट्रीय नीति,विदेश नीति खेल , मनोरंजन , पर्यटन आदि विषयों के लिए अलग अलग प्रतिनिधि नियुक्त किए जाते हैं. स्थानीय पत्रकारिता और राष्ट्रीय पत्रकारिता को आप किस ढंग से देखते हैं? इस सवाल पर कुलवंत सिंह सलूजा कहते हैं वैसे तो पत्रकारिता, पत्रकारिता ही होती है चाहे वह स्थानीय स्तर पर हो या राष्ट्रीय स्तर पर. लेकिन यदि इस संबंध मे विचार किया जाए तो यह कहा जा सकता है कि स्थानीय पत्रकारिता सूचनात्मक पत्रिकारिता होती है और राष्ट्रीय पत्रकारिता सृजनात्मक पत्रकारिता होती है . स्थानीय पत्रकारिता अपने आसपास होने वाले अपराधिक घटनाओं, विविध आयोजनों और नगर या जिले मे होने वाले विभिन्न गतिविधियों के समाचार होते है इसलिए इन्हें सूचनात्मक पत्रिकारिता कह सकते है लेकिन वहीं जब राष्ट्रीय पत्रकारिता की बात होती है तो वह वैचारिक दृष्टिकोण लिए होती है और राष्ट्रहित को ध्यान मे रखते हुए समाचार और विचार एक साथ पाठकों के सामने रखा जाता है और यही समाचार और विचार देश और समाज को आगे ले जाने के लिए सत्ताधारियों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं।

प्रेस को प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने के संबंध मे कुलवंत सिंह सलूजा कहते हैं कि हमारे देश की संवैधानिक व्यवस्था के तहत तीन प्रमुख स्तंभ है विधायिका ,कार्यपालिका और न्यायपालिका.लेकिन इन तीनों पर नजर रखने वाला हमारा खबरपालिका है . इसलिए खबरपालिका (प्रेस) को चौथा स्तंभ कहा जाता है . हालांकि संविधान मे ÷प्रेस के चौथे स्तंभ÷ के संबंध मे अलग से कोई विशेष बातें नहीं लिखी गई है.संविधान मे उल्लेखित ÷अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार÷ के तहत ही प्रेस अपनी भूमिका निभाते आ रहा है।

आप चालीस वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं और समय समय पर नगर मे पत्रकारों को संगठित करने के लिए प्रेस क्लब , पत्रकार संघ ,तहसील पत्रकार संघ , राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन आदि विभिन्न नामो से पत्रकार संगठन को सक्रिय किए हैं उसके बाद भी स्थानीय स्तर पर पत्रकारों के लिए अब तक प्रेस भवन क्यों नहीं बनवा पाए ? इस सवाल पर कुलवंत सिंह सलूजा कहते हैं कि मैंने हमेशा से ही स्थानीय और राज्य शासन से पत्रकारों के लिए प्रेस भवन निर्माण की मांग किया है .भूमि भी चयन करके शासन को प्रस्ताव भेजे गए हैं लेकिन कुछ न कुछ अड़चनें आ जाती है और फाइल सरकारी आफिसों मे घूमती रहती है . चांपा में पत्रकारों के लिए प्रेस भवन न बनने का एक कारण स्थानीय प्रशासन मे बैठे जनप्रतिनिधियों की उदासीनता है तो दूसरा कारण यह भी है कि स्थानीय पत्रकार साथियों के बीच संगठनात्मक तालमेल का अभाव भी है।

साक्षात्कार कर्ता, अनंत थवाईत, स्वतंत्र पत्रकार चांपा।

जांजगीर चांपा जिला के विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा का मामला

पद जाने के सालभर बाद भी नहीं छूट रहा कुर्सी का मोह, कलेक्टर के आदेश को व्याख्याता 1 साल से दिखा रहा ठेंगा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जांजगीर चांपा जिला के तत्कालीन कलेक्टर आकाश कुमार छिकारा के आदेश को पिछले 1 साल से व्याख्याता के द्वारा ठेंगा दिखाया जा रहा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में पदस्थ व्याख्याता का प्राचार्य के पद जाने के बाद भी वर्तमान प्राचार्य को वित्तीय अधिकार नहीं देने से वर्तमान प्राचार्य को बेवजह भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्राचार्य का पद जाने के बाद भी व्याख्याता कुर्सी का मोह नहीं छोड़ रहे है। जिसके कारण महिला प्राचार्य के अधिकारों का हनन हो रहा है। इसके बावजूद महिला प्राचार्य को आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जांजगीर चांपा जिला के विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में वर्तमान में दो प्राचार्य कार्यरत हैं। लेकिन मजेदार बात यह है कि व्याख्याता फगूलाल साहू जो पूर्व में प्राचार्य के पद पर पदस्थ थे। जिसको जांजगीर चांपा जिला के तत्कालीन कलेक्टर महोदय आकाश कुमार छिकारा के द्वारा विभागीय कार्यों में अनुशासनहीनता, कार्य के प्रति घोर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता इसके अतिरिक्त बच्चों के कम प्रतिशत अंक पाने के कारण तत्कालीन कलेक्टर महोदय के द्वारा तत्कालीन प्राचार्य फगूलाल साहू को प्राचार्य के पद से हटाकर उनके स्थान पर व्याख्याता मनीषा बेबी चौहान को प्राचार्य बनाया गया है। लेकिन मनीषा बेबी चौहान प्राचार्य के पद पर हैं। इसके बावजूद फगूलाल साहू व्याख्याता के द्वारा वर्तमान प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान को वित्तीय अधिकार नहीं दिया जा रहा है। व्याख्याता फगूलाल साहू बाकायदा प्राचार्य के कुर्सी पर बैठकर प्राचार्य का हस्ताक्षर भी करता है। एक ही विद्यालय में दो-दो प्राचार्य का होना शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के लापरवाही और मिलीभगत को उजागर करता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान को महिला वर्ग होने के नाते व्याख्याता फगूलाल साहू के द्वारा पूर्ण रूप से आज पर्यंत तक 1 साल बाद भी पूर्ण प्रभार नहीं दिया जाना व्याख्याता फगूलाल साहू का विभागीय कार्यों में अनुशासनहीनता कार्य के प्रति घोर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है। आजकल यह बात शिक्षकों एवं अध्यनरत छात्र-छात्राओं में और बिर्रा एवं आसपास के गांवों के लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में पदस्थ व्याख्याता फगूलाल साहू तत्कालीन कलेक्टर साहब के आदेश को ठेंगा दिखा रहा है। कहीं ना कहीं शिक्षा विभाग के जिला के उच्च अधिकारियों के साथ व्याख्याता फगूलाल साहू का मिलीभगत लग रहा है। जिसकी लिखित में शिकायत वर्तमान प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा अश्वनी भारद्वाज को दिया जा चुका है। इसके बावजूद भी जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा अश्वनी भारद्वाज के द्वारा प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान को पूर्ण रूप से प्रभार नहीं दिला सका है। यह बात विभागीय अधिकारियों की अनुशासनहीनता कार्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता और स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। अगर सूत्रों की माने तो जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा अश्वनी भारद्वाज का व्याख्याता फगूलाल साहू के ऊपर पूरा-पूरा क्षत्रछाया लग रहा है। यहां पर महिला प्राचार्य के अधिकारों का व्याख्याता फगूलाल साहू के द्वारा हनन किया जा रहा है। यहां पर एक महिला कर्मचारी के अधिकारों का मजाक उड़ाया जा रहा है और शिक्षा विभाग के अधिकारी के अलावा जिला के उच्च अधिकारी हाथ पर हाथ धरे कुर्सी में बैठकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। एक महिला कर्मचारी के अधिकारों का हनन हो रहा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के व्याख्याता फगूलाल साहू के अलावा शिक्षा विभाग की बदनामी हो रही है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केरा रोड बिर्रा में कक्षा 09वीं से लेकर 12वीं तक बच्चों का परीक्षा परिणाम 97त्न रहा है। इसके बावजूद भी व्याख्याता फगूलाल साहू के द्वारा प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान को पूर्ण रूप से प्रभार नहीं दिया जा रहा है। यह बात बिर्रा एवं आसपास गांवों के गुरुजनों और अभिभावकों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान को व्याख्याता फगूलाल साहू के द्वारा बेवजह पूर्ण रूप से प्रभार नहीं देना कुल मिलाकर यहां पर एक महिला के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। प्राचार्य मनीषा बेबी चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा के अलावा जिला के कलेक्टर महोदय जन्मेजय महोबे जी से पूर्ण प्रभार वित्तीय अधिकार के साथ दिलाने की मांग की है।

एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में दो- दो प्राचार्य-विगत एक वर्षो से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में दो प्राचार्य है। पिछले वर्ष माननीय तत्कालीन कलेक्टर महोदय आकाश कुमार छिकारा ने फगुलाल साहू व्याख्याता जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा का प्रभारी प्राचार्य था। उनको हटाकर मनीषा बेबी चौहान व्याख्याता को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है। फगुलाल साहू व्याख्याता द्वारा प्राचार्य के बदलने के बाद भी प्रभार नही दे रहा था । उनको इस पद से बहुत मोह था। कुछ दिनों के बाद मनीषा बेबी चौहान को प्रभारी प्राचार्य का प्रभार तो दिया लेकिन आधा अधूरा ही दिया गया है। अभी भी प्राचार्य के कुर्सी में फगुलाल साहू ही बैठते हैं और इसके बावजूद प्राचार्य का शील से हस्ताक्षर भी करता है। इधर मनीषा बेबी चौहान भी प्राचार्य का हस्ताक्षर करती है। यह बात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा के स्टाप के गुरुजनों एवं आसपास के विद्यालय के शिक्षकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मनीषा बेबी चौहान का कहना है कि मैं इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा अश्वनी भारद्वाज को अवगत करा चुकी हूँ। इस पर यदि आवश्यक कार्यवाही नही होती है तो उनकी समस्त जवाबदारी शिक्षा विभाग के अधिकारी के अलावा जिला के उच्च अधिकारियों की होगी।

÷शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा

मेरे विद्यालय में दो लोग प्रभार में हैं। प्रशासनिक प्रभार में चौहान मैडम है, और मैं वित्तीय प्रभार में हूं।÷

फगूलाल साहू, व्याख्याता

÷जितने भी प्राचार्यो का प्रभार पिछले वर्ष बदले हैं। उसकी परीक्षा फल की समीक्षा /बैठक करके पुनः निर्णय लिया जाएगा।÷

अश्वनी भारद्वाज
जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा

संपादकीय

टीआरएफ पर फिर फंसा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मॉनिटरिंग रिपोर्ट में पहलगाम हमले में आतंकी संगठन टीआरएफ की भूमिका का जिक्र होने के बाद अब पाकिस्तान के लिए बचने का कोई रास्ता नहीं रह गया है। उसका यह झूठ दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है कि भारत में हुए आतंकवादी हमले से उसका नाता नहीं। यह भारत के लगातार किए गए कूटनीतिक प्रयासों की जीत है। मॉनिटरिंग टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि टीआरएफ ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली और यह अटैक पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था। टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी एफएटीएफ ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला आर्थिक मदद के बिना नहीं हो सकता। पाकिस्तान के लिए दो-दो ग्लोबल एजेंसियों की फाइंडिंग को झुठलाना आसान नहीं होगा। यह रिपोर्ट इतनी अहम इसलिए है, क्योंकि इसके पीछे भारत ने बहुत मेहनत की है। यूएनएससी को टीआरएफ के बारे में लगातार जानकारी मुहैया कराई गई - लश्कर के साथ जुड़ाव के सबूत सौंपे गए। पिछले साल मई में विदेश मंत्रालय की अगुआई में एक डेलिगेशन ने न्यू यॉर्क में यूएन अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान ने हर सबूत को झुठलाने की कोशिश की और इसमें उसे चीन का भरपूर साथ मिला। इस बार भी उसे भरोसा था कि एनएससी में चीन बचा लेगा। पिछले दिनों पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने अपने यहां की संसद में दावा किया था कि उन्होंने एनएससी के प्रेस स्टेटमेंट से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। हालांकि इस बार चीन पाकिस्तान का गठजोड़ नाकाम हो गया। यह हार पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर की भी है। लश्कर-ए-तैयबा घोषित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन है। इस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ने के बाद पाकिस्तानने 2019 में टीआरएफ को खड़ा किया था। एलईटी के लड़ाकों और हथियारों का इस्तेमाल कर टीआरएफ आतंक फैलाने में लगा हुआ था। लेकिन, इस बार दुनिया ने उसकी प्रॉक्सी टैक्टिक्स को पहचान लिया। मॉनिटरिंग रिपोर्ट को सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य आम सहमति से अपनाते हैं यानी पाकिस्तान अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। पिछले कुछ अरसे से कूटनीतिक मोर्चे पर वह घिरता जा रहा है। पहले क्वाड के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र आया और फिर अमेरिका ने टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया। भारत के लिए यह बिल्कुल सही समय है, जब वह आतंकवाद के प्रायोजक अपने इस पड़ोसी पर शिकंजा और कस सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था। भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है।

दबाव के आगे नहीं झुक कर मोदी ने ट्रंप का झूठ उजागर किया और रूस से दोस्ती का मान भी रखा

(नीरज कुमार दुबे)

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा,चाहे कीमत कुछ भी हो।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड एकानामी' कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा। उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था।

भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है। अमेरिका की पैनल्टी झेलने और राष्ट्रपति की नाराजगी का जोखिम उठाकर भी भारत रूस के साथ संबंध बचाने को तैयार है, क्योंकि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का मूलभूत हिस्सा है।

देखा जाये तो वैश्विक राजनीति पर इसका बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि भारत का यह संदेश स्पष्ट है कि वह किसी भी महाशक्ति के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं बदलेगा। इस कदम से न केवल भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है, बल्कि दुनिया के अन्य मध्यम और छोटे देशों को भी यह विश्वास मिला है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में दबाव की राजनीति को चुनौती दी जा सकती है। दूसरी ओर, अमेरिका के लिए यह स्थिति असहज है। भारत उसके लिए इंडो फेसिफ रणनीति का प्रमुख साझेदार है और ट्रंप की बयानबाजी व टैरिफ की नीति इस भरोसे को कमजोर कर सकती है। यदि अमेरिका भारत जैसे लोकतांत्रिक साझेदार को अपमानित करता है, तो वह चीन और रूस के खिलाफ बने गठबंधनों में अपनी स्थिति कमजोर कर लेगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उनके उस लंबे इतिहास से मेल खाती है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को केवल व्यापार और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के नजरिए से देखते हैं। भारत के टैरिफ और रूस के साथ उसके संबंधों पर सवाल उठाना एक अलग विषय है, लेकिन इन मुद्दों को हल करने का रास्ता अपमानजनक भाषा नहीं, बल्कि परिपक्व वार्ता है। भारत सरकार ने सही कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी।

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा- चाहे कीमत कुछ भी हो। ट्रंप

की ओर से टैरिफ लगाये जाने की चेतावनियों के बावजूद भारत ने न तो रूस से ऊर्जा खरीद कम की है और न ही रक्षा सहयोग में कोई कटौती की है। यह रुख बताता है कि भारत अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप का अतिरिक्त शुल्क भारत को रूस से दूर करने की कोशिश है। लेकिन यह रणनीति अब तक विफल रही है। दरअसल अमेरिका यह दिखाना चाहता है कि जो देश रूस के साथ व्यापार करेंगे, उन्हें दंडात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। यह संदेश चीन जैसे देशों के लिए भी है, जो रूसी तेल के बड़े खरीददार हैं। भारत का रूस के साथ संबंध मजबूत रखना अमेरिका के लिए चिंता का विषय है इसलिए वह चाहता है कि भारत क्वाड में मजबूत हो मगर इंडो फैसिफ रणनीति के तहत रूस से दूरी बनाए।

मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया है कि भारत किसी के दबाव में अपने रणनीतिक निर्णय नहीं बदलेगा। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं हो पाने का बड़ा कारण यही है कि भारत ने कृषि, डेयरी और टैरिफ में अपनी शर्तों से समझौता करने से इंकार कर दिया है। साथ ही भारत ने दिखा दिया है कि रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व रखते हैं। देखा जाये तो अमेरिका के आगे नहीं झुक कर भारत की वैश्विक स्थिति तेजी से मजबूत हो रही है। अमेरिका की पेनल्टी के बावजूद भारत पर दबाव काम नहीं कर रहा, जो यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र शक्ति है।

साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के दबाव और अपमानजनक बयानों के आगे न झुककर विश्व राजनीति को एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है। भारत अब किसी का जूनियर पार्टनर नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी शक्ति है। मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी और किसी भी व्यापारिक समझौते में किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के हित सर्वोपरि रहेंगे। यह रुख बताता है कि भारत अब केवल आर्थिक या कूटनीतिक दबावों के आधार पर निर्णय नहीं लेता।

यह कदम केवल अमेरिका को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि भारत अपनी शर्तों पर साझेदारी करता है। चाहे ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के साथ संबंध हों या पश्चिमी देशों के साथ व्यापार समझौते- भारत संतुलन बनाए रखने में सक्षम है और दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। इसका सबसे बड़ा महत्व यह है कि भारत ने यह दिखा दिया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में उसका स्थान स्थायी और स्वतंत्र है। अमेरिका, चीन, रूस या कोई अन्य महाशक्ति अब भारत को केवल एक 'निर्भर सहयोगी' की तरह नहीं देख सकती। यह आत्मविश्वास भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत, सामरिक क्षमताओं और वैश्विक कूटनीतिक साख का प्रमाण है।

जहां तक यह सवाल है कि भारत-रूस संबंधों पर क्यों खफा हैं ट्रंप? तो आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत का रूस से तेल आयात कुल आयात का 2 प्रतिशत से भी कम था, जो जून 2024 तक 40 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसके अलावा, रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है और कम कीमत, लचीली शर्तों व संवेदनशील तकनीक उपलब्ध कराने के कारण यह संबंध भारत के लिए रणनीतिक हैं। साथ ही रूस लंबे समय से भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में साझेदार रहा है। इन संबंधों ने अमेरिका को असहज कर दिया है, खासकर तब जब पश्चिमी देश रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत पर जिस तरह हमला बोला है उससे उनका ही पुराना दावा कमजोर पड़ गया है। हम आपको बता दें कि ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि 10 मई को मोदी सरकार ने उनके दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोक दिया था, क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी कि यदि भारत ने कार्रवाई नहीं रोकी तो अमेरिका भारत के साथ व्यापार बंद कर देगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लगा कर ट्रंप ने अप्रत्यक्ष रूप से अपने दावे का सच उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पर किसी वैश्विक नेता ने हमले रोकने का दबाव नहीं डाला था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर भारतीय वायुसेना की भीषण बमबारी ने इस्लामाबाद को 10 मई को शांति के लिए मजबूर किया था। इससे पहले भी भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि व्यापार समझौते या टैरिफ का पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने से कोई संबंध नहीं था। भारत ने यह भी बार-बार कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार को जोड़ना अनुचित है।

जहां तक यह सवाल है कि अमेरिका के साथ समझौते को लेकर भारत क्यों नहीं झुका? तो आपको बता दें कि अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन और वियतनाम को अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोलने पर मजबूर किया, जिसके बदले टैरिफ कम किए गए। लेकिन भारत इस समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके पीछे कई कारण थे। दरअसल भारत अमेरिकी मांगों के अनुरूप कृषि और डेयरी उत्पादों में रियायत देने को तैयार नहीं था। इसके अलावा, भारत चाहता है कि अमेरिका कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर और ऑटो पार्ट्स पर पर्याप्त टैरिफ कटौती करे, लेकिन अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था। साथ ही भारत ने अमेरिकी स्ट्ल, उर्वरक और रक्षा उपकरण की अधिक खरीदारी के लिए संकेत दिए, लेकिन अमेरिकी मांगें लगातार बढ़ती गईं। इसलिए मोदी सरकार का स्पष्ट रुख था कि वह किसी भी 'औसत दर्जे के समझौते' के लिए तैयार नहीं होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका चाहता है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोले और रूस से रक्षा व ऊर्जा खरीद में कटौती करे। लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हित और बाजार क्षमता का इस्तेमाल कर अमेरिका को झुकाने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव दीर्घकालिक व्यापार युद्ध का रूप भी ले सकता है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। भारत को अब अपनी निर्यात रणनीति और विकल्प बाजारों को मजबूत करना होगा।

शतरंज के वैश्विक बोर्ड पर भारत का दिव्य अधिकार

(मृत्युंजय दीक्षित)

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं।

वैश्विक शतरंज में वर्ष 2025 एक ऐसी दिव्य उपलब्धि लेकर आया है जिसे तब तक स्मरण किया जाएगा जब तक वैश्विक मंच पर शतरंज खेला जाएगा और शतरंज के प्रेमी रहेंगे। भारत की 88वीं ग्रेंड मास्टर बनीं 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बाटुमी में हुए फिडे महिला शतरंज विश्व कप प्रतियोगिता में अपने ही देश की कोनेरू हंपी को पराजित करते हुए इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दिव्या वर्ष 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और वर्ल्ड टीम रैपिड और बिल्ट्ज शतरंज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। दिव्या की बड़ी बहन बैडमिंटन खेलने के लिए जाती थीं और उनके साथ दिव्या भी जाती थी किंतु उन्हें शतरंज में रूचि थी और वे उसी में रम गई आज वह शतरंज की सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2025 में दिव्या ने चीन की 22 वर्षीय ग्रैंडमास्टर झू जिनर को हराकर शानदार जीत हासिल की, वहीं दूसरी भारतीय महिला खिलाडी कोनेरू हंपी ने भी चीनी खिलाड़ी को ही हराकर फिडे शतरंज विश्वकप में चीन का दबदबा ध्वस्त कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी अभूतपूर्व दोहरी सफलता रही है कि फिडे विश्व कप के फाइनल में दोनों ही खिलाड़ी भारतीय रहे।

शतरंज के खेल की नई सनसनी बन गई हैं। अभी तक दिव्या को 15वी वरीयता प्राप्त थी किंतु दृढ़ता और ओपनिग की तैयारियों ने दिव्या को चैपिंयन बना दिया है।

नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं। दिव्या ने सबसे पहले 2012 में अंडर-सात में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। दिव्या ने 214 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंडर 10 और 2017 में ब्राजील में अंडर -12 वर्ल्ड यूथ खिताब जीते। वह 2021 में विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला ग्रैंड मास्टर बनीं। उन्होंने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर की प्रतियोगिता जीती। फिर उन्होंने ग्रैड मास्टर आर. बी. रमेश के मार्गदर्शन में चेन्नई के शतरंज गुरूकुल में अपनि प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्या शतरंज ओलम्पियाड में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। दिव्या ने एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में भी स्वर्णपदक जीता। दिव्या ने

अब विश्व शतरंज में भारत की धमक बढ़ रही है और भारत के खिलाड़ी देश का ध्वज शतरंज के बोर्ड पर लहरा रहे हैं। इससे पूर्व पुरुष शतरांज में 18 वर्षीय डी. गुकेश ने चीन के डिग लिरेन को हराकर कीर्तिमान रचा था। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं थी अपितु भारतीय शतरांज की एक बड़ी छलांग थी। विगत वर्ष सितंबर माह में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया थ जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गर्व से भर दिया था। भारत के कई अन्य ग्रैंड मास्टर भी वैश्विक जगत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। जिसमें आर. प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगिसी, आर वैशाली और डी. हरिका जैसे युवा खिलाड़ी प्रमुख हैं।

आज पूरा भारत शतरंज की दुनिया में अपनी बेटियों की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहा है। भविष्य में यही युवा खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्वर बनने जा रहे हैं। अब शतरंज के आकाश पर भारत का राज स्थपित हो रहा है। यह पल भारत के लिए बेहद गर्व के पल हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हिंसक भाषा बोध के बीच भाषायी सहिष्णुता की अपील

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना–उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना–उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

(उमेश चतुर्वेदी)

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं। राज्य की कोयंबटूर राज्यपाल एक तरह से राज्य का प्रथम नागरिक होता है। इस नाते राज्य में कोई समस्या हो तो उसे रोकने के लिए हस्तक्षेप करना उसकी जिम्मेदारी बनती है।

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है। तमिलनाडु के कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी है। इन पंक्तियों के लेखक से कई बार उन्होंने हिंदी सिखाने की अपील की है। यह बात और है कि हिंदी के कुछ शब्दों के अलावा कुछ ज्यादा नहीं सीख पाए। तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में उन्हें तमिल मोदी कहा जाता रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हिंदी के कटु विरोध के लिए जानी जाती रही है। 1968 में तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ हिंसक आंदोलन हो चुका है। राधाकृष्णन ने उस आंदोलन की हिंसक तपिश को महसूस किया है। इसके बावजूद हिंदी सीखना उनकी चाहत रही है। हिंदी विरोध की आंच में पली-बढ़ी तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी आपसी बातचीत में मानती है कि उसने क्या खोया है। वह पीढ़ी अब प्रौढ़ावस्था के उतरार्ध की ओर बढ़ रही है। वह मानती है कि अगर हिंदी विरोध की आंच से झुलसने का उसे अंदाजा होता तो हिंदी के विरोध में वह अपनी जिंदगी और अपने सपनों को होम नहीं करती।

राज्यपाल ने वैसे कुछ ऐसा नहीं बोला है, जिसे तूल दिया जा सके। उन्होंने कहा है कि किसी को पीटने के बाद क्या वह तत्काल मराठी बोलने लगेगा। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना

में है। सीपी राधाकृष्णन 1998 और 1999 में लगातार दो बार कोयंबटूर से चुने गए थे। उन दिनों वे तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे। उसी दौर की एक घटना का जिक्र उन्होंने अपने बयान में किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि एक बार वे तमिलनाडु में कहीं जा रहे थे तो तमिल न बोलने के चलते कुछ हिंदीभाषी लोगों के साथ स्थानीय भाषा आंदोलनकारी मारपीट कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने हिंदीभाषियों से माफी मांगी और तमिल बोलने की जिद् करने वाले लोगों से कहा था कि क्या उनके हाथों पिट जाने के बाद कोई तत्काल तमिल बोल पाएगा।

भारत की हर भाषा का सम्मान हो, हर भाषा को बोलने वालों का सम्मान हो, इस सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत की हर भाषा एक-दूसरे से जुड़ी है। भारत की भाषाएं आपस में बहनें हैं। इनके बहनापा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कोई भाषा श्रेष्ठ है या कोई भाषा कमजोर है, इसकी तुलना भी बेमानी है। बहुभाषी भारत में एक कहावत पूरी शिद्दत से कही जाती है कि कोसृ-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी। इसका आशय साफ है कि कुछ ही दूरी पर भाषा का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन क्या व्यक्ति इसका व्यवहार करना छोड़ देता है,क्या कुछ दूरी पर बदली भाषा से वह घृणा करने लगता है। भाषाओं की दुनिया किसी राष्ट्र की चौहद्दी नहीं हैं कि बाड़ लगाकर उन्हें रोक दिया जाएगा, भाषाओं का समाज नदी के पाट की तरह भी नहीं है कि उनके किनारों को बांध बनाकर रोक दिया जाएगा और उसके पानी को नियंत्रित कर लिया जाएगा। दरअसल भाषाएं नदी के प्रवाह की तरह हैं। जिस तरह हर नदी का अपना प्रवाह है, उसके प्रवाह की अपनी ध्वनि है, कुछ ऐसा ही हाल हर भाषा का है। लेकिन तमिल हो या मराठी, उन्हें बेहतर मानने और बाकी भाषाओं को कमतर समझने की सोच सही नहीं है। हर भाषा उसे बोलने वाले मूल धारा के व्यक्ति के लिए उसकी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ साधन है। राज्यपाल के बयान का मकसद भाषाओं की दुनिया की इसी खूबसूरती से परिचित करना और उनके गौरवबोध से लोगों का परिचय कराना है।

महाराष्ट्र में मराठी बोली जाए या तमिलनाडु में तमिल का व्यवहार बाकी भाषाओं की तुलना में बेहतर हो, इससे भला किसी को क्यों इनकार होगा। लेकिन मराठी और तमिल को बेहतर बताने और हिंदी को कमतर बताने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिंदी ही क्यों, बाकी भारतीय भाषाओं को कमतर बताना भी उचित नहीं होगा।

भाषा को लेकर गौरवबोध होना तो ठीक है, लेकिन अपनी भाषा के गौरवबोध को कथित तौर पर स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा लेना या जबरदस्ती करना उचित नहीं है। ऐसा करना एक तरह से कानून-व्यवस्था का मामला बन जाता है। ऐसे में राज्यपाल का यह कहना उचित ही है कि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रहेगी तो निवेशक राज्य में आने से बचेंगे, निवेश घटेगा तो राज्य में उत्पादक इकाइयां कम होगीं, इससे रोजगार घटेगा और राज्य का राजस्व भी। भाषा की राजनीति को इन तथ्यों को भी समझना होगा। उसे देखना होगा कि भाषा के प्रति प्यार और स्नेह अराजकता का जरिया ना बने। भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति करने वाले दलों को भी समझना होगा कि भाषाई स्वाभिमान के नाम पर होने वाली जबरदस्ती अंततः दूसरे पक्ष को भी उकसाती है। सोचिए, अगर हर भाषाभाषी अराजक ढंग से अपने भाषायी गौरवबोध को उभारने और उसे अभिव्यक्ति देने लगे तो क्या होगा ? अराजकता का तीव्र विस्फोट होगा और उससे अंततः राष्ट्र की नींव में सुराखें बनने लगेंगीं। जिसकी बुनियाद पर राष्ट्र का खड़े रह पाना कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन संदर्भों में भी देखा और समझा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने ठीक ही कहा है कि हमें ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। इसे लेकर कोई समझौता भी नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम किसी और की मातृभाषा से नफरत करें। भाषाओं के नाम पर अराजक होने की बजाय जरूरत इस बात की है कि हम एक-दूसरे की भाषा ही नहीं, उसके समूचे अस्तित्व के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। तुच्छ और तात्कालिक राजनीतिक फायदे के लिए भाषा के नाम पर सहिष्णुता का यह पुल एक बार टूटा तो उसे फिर से स्थापित कर पाना बेहद कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा, परखा और समझा जाना चाहिए।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रोजाना क्यों करना चाहिए महा मृत्युंजय मंत्र का जाप?

सावन का पवित्र महीना चल रहा है और ये पूरा माह भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान भक्त भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं और उनके मंत्रों का जाप करते हैं। भगवान शिव से जुड़ा है महा मृत्युंजय मंत्र, जिसे बहुत चमत्कारी माना जाता है। सिर्फ धार्मिक नजरिए से ही नहीं बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी ये बहुत फायदेमंद है। महा मृत्युंजय मंत्र जाप के चमत्कारी हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताया है। तो आइए जानते हैं इस मंत्र का जाप करने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

अकाल मृत्यु और भय से बचाता है

महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है वहीं किसी भी तरह के भय से भी मुक्ति मिलती है। ये मंत्र एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है, तो व्यक्ति को किसी भी तरह की दुर्घटना और डर से बचाता है।

एकाग्रता बढ़ाता है ये मंत्र

बच्चे हों या बड़े, आजकल एक जगह ध्यान लगाना सभी के लिए चैलेंजिंग हो गया है। अगर आप रोजाना इस चमत्कारी मंत्र का जाप करते हैं, तो आपकी एकाग्रता यानी एक ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है।

मानसिक और शारीरिक रोगों से बचाव

रोजाना इस मंत्र का जाप करने से मानसिक रोग जैसे एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवरथिंकिंग और स्ट्रेस दूर ही रहते हैं। वहीं शारीरिक रूप से होने वाले रोग और समस्याओं से भी बचाव होता है।

आत्म सम्मान की भावना को बढ़ाता है

कई लोगों आत्म सम्मान की भावना बहुत कम होती है। इस वजह से अक्सर वो पीछे ही रह जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ये मंत्र आपको अंदर से मजबूत बनाता है और आत्मसम्मान की भावना जगाता है।

आत्महत्या जैसी विचार दूर रखे

कई बार मानसिक तनाव इतना बढ़ जाता है कि लोगों में आत्महत्या जैसे गंदे विचार आने लगते हैं। लोग तरह-तरह से खुद को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और कहीं ना कहीं उनमें जीने की इच्छा खत्म सी हो जाती है। ऐसी स्थिति में भी रोजाना शांत मन से महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करना बहुत फायदेमंद होता है।

शरीर और मन का पोषण करें

महा मृत्युंजय मंत्र आपको शारीरिक और मानसिक रूप से पोषित करता है। उदाहरण के लिए जिन भी लोगों को अपना वजन बढ़ाना है, उनके लिए ये बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं जो लोग अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए भी महा मृत्युंजय मंत्र का जाप चमत्कारी साबित होता है।

याददाश्त बढ़ाता है

रोजाना महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से मेमोरी पावर अच्छी होती है। इतना ही नहीं आप अपने और आसपास की चीजों को ले कर भी और अधिक जागरूक होते हैं।

नींद की गुणवत्ता में सुधार लाए

महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। जिन भी लोगों को बिस्तर पर लेटने के घंटों बाद तक नींद नहीं आती या वो बेचैन रहते हैं, उन्हें महा मृत्युंजय मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए।

जीवन का लक्ष्य पता चलता है

डॉक्टर दीक्षा कहती हैं कि रोजाना यदि आप महा मृत्युंजय मंत्र का जाप करते हैं, जो खुद को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। आपको अपने अंदर की क्षमताओं का बेहतर पता चलता है, वहीं आप अपने जीवन के लक्ष्य को भी जान पाते हैं।

शादी-विवाह के मौके पर सबसे सुंदर दिखेगी अनारकली सूट

शादी-विवाह के फंक्शन में भीड़ में सबसे सुंदर और अलग दिखना चाहती हैं तो अनारकली कुर्ते के पहनकर रेडी हो सकती हैं। इन ब्यूटीफुल और अट्रैक्टिव डिजाइन के इन अनारकली कुर्ते की डिजाइन को देखकर स्टिचिंग आइडिया लिया जा सकता है।

अनारकली सूट डिजाइन

शादी के फंक्शन में गेस्ट बनकर जाना हो तो काफी सारी लड़कियां कन्फ्यूज हो जाती है। अक्सर उन्हें समझ नहीं आता कि कौन सी ड्रेस पहनकर अलग और स्टाइलिश दिखा जाए। साथ ही वेडिंग फंक्शन को एंज्वॉय कर सके। तो आप हैवी डिजाइन वाले लहंगे की बजाय अनारकली कुर्ते को पहनें। ये ना केवल ट्रेडिशनल दिखेंगे बल्कि आपके लुक को स्टाइलिश भी बनाएंगे।

मल्टीकलर अनारकली सूट

वेडिंग फंक्शन में ब्यूटीफुल दिखना है तो मल्टीकलर के इस अनारकली सूट को पहनकर रेडी हो सकती हैं। सबसे खास बात कि इस तरह के सूट को ब्राइडल संगीत या मेहंदी जैसे फंक्शन में पहनें तो हट के लुक मिलेगा।

घेर वाले लाइटवेट सूट

अनारकली कुर्ता लेकिन लाइटवेट चाहिए तो इस तरह हल्के सिल्क या सैटिन फैब्रिक के कुर्ते स्टिच करवाएं। ये ब्यूटीफुल दिखने के साथ ही कंफर्टेबल भी लगेंगे।

लाइट पिंक अनारकली सूट

वेडिंग फंक्शन में सबसे सुंदर दिखना है तो इस तरह के डीप वी नेकलाइन अंगरखा डिजाइन के लांग अनारकली कुर्ते को स्टिच करवा सकती हैं।

वनपीस डिजाइन सूट

अनारकली सूट में अलग-अलग डिजाइन आती है। वनपीस डिजाइन का ये सूट ब्यूटीफुल दिखेगा। इसे आप वेडिंग के साथ ही फेस्टिवल्स पर भी पहनकर रेडी हो सकती हैं।

अंगरखा डिजाइन अनारकली सूट

फेस्टिवल्स में अनारकली सूट पहनना है तो इस तरह के अंगरखा डिजाइन के कुर्ते को स्टिच करवाएं। चोकर और हैवी ईयररिंग्स के साथ पेयर कर पहन लेंगी तो सब तारीफ करेंगे।

शार्ट अनारकली कुर्ता

लांग अनारकली कुर्ता नहीं पहनना चाहती हैं तो नी लेंथ के डिजाइन के अनारकली कुर्ते ट्राई करें। ये सूट भी ब्यूटीफुल दिखते हैं।

नी लेंथ अनारकली सूट

अनारकली जरूरी नहीं की पूरा फ्लोर लेंथ हो, नी लेंथ डिजाइन के हैवी गोटा वर्क वाले सूट भी वेडिंग में ब्यूटीफुल लुक देंगे। जैसे ये ब्लू कलर का गोटा वर्क वाला अनारकली सूट और साथ में मैचिंग पैट अट्रैक्टिव दिख रहा है।

सेहतमंद शिशु के लिए दुरुस्त रखें पेट की सेहत

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर कई बदलावों का सामना करता है। मॉर्निंग सिकनेस से लेकर अटपटी चीजें खाने तक बहुत से नए अनुभव इस दौरान गर्भवती महिला को होते हैं। इन नौ महीनों के दौरान मां के गर्भ में पल रहा शिशु सारा पोषण अपनी मां से ही प्राप्त करता है, इसलिए गर्भवती महिला को पौष्टिक भोजन खाने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इन नौ महीनों के दौरान गर्भवती महिला के आंतों की सेहत होनेवाले शिशु के विकास को भी प्रभावित कर सकती है, इसलिए गर्भवती महिला के पाचन तंत्र का दुरुस्त रहना बहुत आवश्यक है।

क्यों जरूरी है दुरुस्त पाचन तंत्र

गर्भावस्था के दौरान गैस, अपच और खट्टी डकार जैसी पाचन संबंधी समस्याएं होना आम बात है, लेकिन समय रहते सही निदान न होने पर इसका प्रभाव अजन्मे शिशु की सेहत पर भी पड़ सकता है। गर्भवती महिला के शरीर में होनेवाले हार्मोनल परिवर्तन पाचन संबंधी परेशानियों को बढ़ा देते हैं। ऐसा होने पर गर्भाशय को शिथिल कर देनेवाला प्रोजेस्टेरोन नामक हार्मोन पेट की मांसपेशियों को भी शिथिल कर देता है, जिससे पाचन तंत्र सुस्त पड़ जाता है। इसके अलावा शिशु का बढ़ता आकार भी गर्भाशय को पेट पर दबाव डालने के लिए मजबूर करने लगता है, जिसकी वजह से सीने में जलन, पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी परेशानियां होने लगती हैं। ऐसा होने पर शरीर आयरन और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों सहित अन्य पोषक तत्त्व भी पर्याप्त मात्रा में ग्रहण नहीं कर पाता है।

पर्याप्त मात्रा में फाइबर का सेवन

एक गर्भवती महिला को रोजाना 25 से 30 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए अपने आहार में साबुत अनाज, दालें, बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, सेब, केला और संतरा शामिल करें। इससे भरपूर मात्रा में फाइबर तो मिलेगा ही, साथ ही पाचन के लिए महत्वपूर्ण गुड बैक्टीरिया में भी बढ़ोतरी होगी।

पानी पिएं खूब

शरीर में पानी की कमी न होने दें क्योंकि पानी पेट को सक्रिय रखता है। एक दिन में कम से कम दो से तीन लीटर पानी जरूर पिएं। साथ ही नारियल पानी, छाछ, नीबू पानी और सत्तू जैसे पेय पदार्थों का सेवन भी अवश्य करें।

न भूलें प्रीबायोटिक्स

यह एक खास प्रकार का फाइबर होता है,जो आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देता है। लहसुन, प्याज, ओट्स, शतावरी और केले में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इन खाद्य पदार्थों को अपने आहार में नियमित रूप से शामिल करें।

डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से दूरी

प्रोसेस्ड फूड या प्रसंस्कृत आहार में चीनी, नमक, संतृप्त वसा और प्रिजर्वेटिव्स की अत्यधित मात्रा होती है। ऐसी चीजों का अत्यधिक सेवन आंतों के माइक्रोबायोम के संतुलन बिगड़ देता है। बर्गर, पिज्जा, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक्स, चिप्स और कुकीज जैसी चीजों के सेवन से परहेज रखने में ही भलाई है।

घर के बने ताजे भोजन का सेवन

गर्भावस्था में अक्सर बहुत खट्टा या तीखा खाना खाने का मन करता है। ऐसा भोजन स्वादिष्ट तो लगता है, लेकिन रोजाना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है, इसलिए नियमित रूप से घर पर बने ताजे और आसानी से पचनेवाले भोजन का ही सेवन करना चाहिए। लौकी, तुरई, टिंडे जैसी सब्जियां हल्की होने के साथ-साथ पेट को ठंडक भी पहुंचाती हैं। इस बात का भी खयाल रखें कि भोजन ताजा ही बना हो क्योंकि बासी खाना अपच और गैस की समस्या पैदा कर सकता है।

काटने के तुरंत बाद ना बनाएं ये सब्जियां

सब्जी स्वादिष्ट तभी बनती है, जब छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखा जाए। उदाहरण के लिए, सब्जी की कटिंग का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। दरअसल कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें काटने के तुरंत बाद नहीं बनना चाहिए। ऐसा करने से सब्जियों की कड़वाहट बढ़ सकती है या फिर उनका टेस्ट और टेक्सचर भी खराब हो सकता है। इन सब्जियों को काटने के बाद कुछ देर के लिए रखना जरूरी होता है। आइए जानते हैं, ऐसी ही कुछ सब्जियों के बारे में।

करेला :- करेले की कड़वाहट को कम करने का सबसे आजमाया हुआ तरीका यही है कि इसे काटकर थोड़ी देर के लिए रख दिया जाए। कटे हुए करेले में हल्का नमक मिलाकर कुछ देर रखने से करेले की कड़वाहट कम हो जाती है। वहीं अगर आप तुरंत काटकर करेला बना लेती हैं, तो इससे सब्जी बहुत ज्यादा कड़वी लग सकती है।

भिंडी :- भिंडी को भी काटने के बाद कुछ देर के लिए रख देना चाहिए। दरअसल भिंडी में एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो उसे काटने के बाद ज्यादा एक्टिव होता है। ऐसे में अगर आप तुरंत भिंडी बनाएंगी, तो वो चिपचिपी बनेगी और स्वाद भी नहीं आएगा। इसकी जगह अगर आप भिंडी को काटकर कुछ देर के लिए ड्राई होने दें, तो कुरकुरी और स्वादिष्ट सब्जी बनकर तैयार होती है।

फूलगोभी:-फूलगोभी को भी काटने के बाद कुछ देर छोड़ देना सही होता है। दरअसल काटने के बाद भी इसमें कीड़े छिपे होने का खतरा रहता है। ऐसे में अगर आप गर्म पानी और नमक में इसे भिगोकर रखती हैं, तो ये अच्छी तरह क्लीन हो जाती है। इससे फूलगोभी की कच्ची स्मेल भी चली जाती है।

लौकी :- गांवों में लौकी को काटने के बाद कुछ देर के लिए छोड़ दिया जाता है। दरअसल इससे लौकी की कड़वाहट का पता चलता है। 5 से 10 मिनट हवा में छोड़ने से, अगर लौकी का रंग डार्क हो जाता है या उसमें स्मेल आने लगती है, तो इसका मतलब है कि लौकी में कड़वाहट है।

मूली :- मूली को भी काटने के बाद कुछ देर रखने की सलाह दी जाती है। तुरंत कटी हुई मूली में तेज गंध और गैस वाली हेवीनेस बन सकती है। 10 से 15 मिनट कटी हुई मूली को छोड़ने से उसकी हेवीनेस कम हो जाती है और बैटर टेस्ट मिलता है।

***पत्ता गोभी :-** कई लोग पत्तागोभी की सब्जी बनाने से पहले उसे नमक वाले पानी में भिगोकर रखते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि पत्ता गोभी में छोटे-छोटे कीड़े और धूल-मिट्टी भरी हो सकती है। इसे सही से साफ करने के लिए कुछ देर नमक वाले पानी में रखें। इससे पत्तागोभी का एक्स्ट्रा मॉइश्चर भी निकल जाता है, जिससे परफेक्ट टेस्ट और टेक्चर मिलता है।*

'रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया जायेगा'

मुंबई विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त मुंबई की 10 सर्वश्रेष्ठ कामर्स कॉलेज में से एक प्रहलादराय डालमिया लायंस कॉलेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता व क्षमता को देखते हुए स्वायत्त कॉलेज (ऑटोनोमस कॉलेज) का दर्जा प्रदान किया है।

कॉमर्स, एकाउंटेंसी व इकनोमिक्स विषयों के लिए कॉलेज मुंबई विश्वविद्यालय का अधिकृत अनुसंधान केन्द्र है। इस वर्ष कॉलेज, शिक्षा के बेमिसाल 53 वर्ष मना रहा है। कॉलेज ISO 21001:2018 से प्रमाणित शिक्षा संस्थान है। कॉलेज के ट्रस्टी व कर्णधार परिषद के महामंत्री लायन कन्हैयालाल घ. सराफ कहते हैं कि योग्यता व समृद्ध अनुभव वाले 90 कुशल शिक्षक और 45 योग्य शिक्षकेत्तर कर्मचारी 7200 छात्र-छात्राओं के इस समस्त कॉलेज का प्रबंधन सुचारू रूप से चलाते हैं।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एन गंजेवार कहते हैं कि हमारे ट्रस्टी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को महत्व देते हैं। इसी कारण हमें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) में 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। एनसीसी

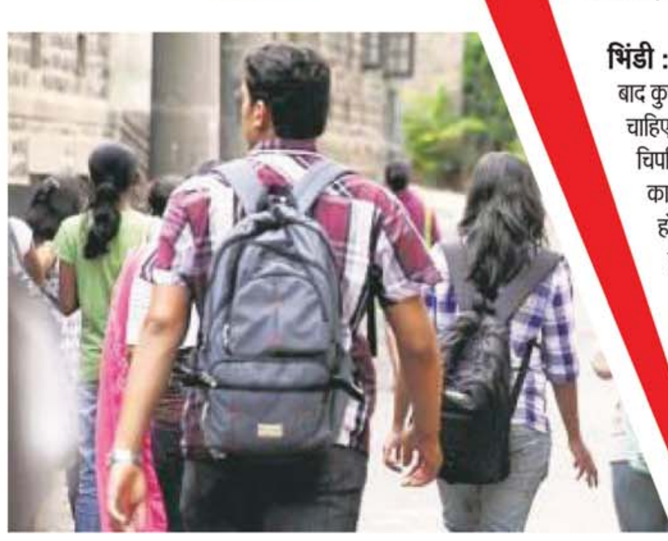

के माध्यम से हमारे कई छात्र, जवान बनकर सीमा की रक्षा कर रहें हैं। कई छात्र- छात्राएं गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड़ में भी हिस्सा ले चुके हैं। नये पाठ्यक्रमों की श्रेष्ठता के मानदंड,उद्योगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाये जायेंगे। रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया जायेगा। छात्रों को हुन्नर से आत्मनिर्भर बनाने के हर संभव प्रयत्न किये जायेंगे। छात्रों के कंधे पर ही देश का भविष्य है। नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का हर प्रयास, भारतीय मूल्यों की प्रतिष्ठा बरक़रार रखते हुए किया जायेगा।

चुनौतियां कई है, लेकिन लक्ष्य केवल एक है, शिक्षा के क्षेत्र में नई कार्यसंस्कृति को विकसित करना जिसके लिए पूरा प्रबंधन कटिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

रेनो कसीनो के बाहर गोलीबारी करने वाले हमलावर की मौत

रेनो , एजेंसी। अमेरिका के रेनो शहर में एक बड़े कसीनो के बाहर गोलीबारी कर तीन लोगों की हत्या करने वाले संदिग्ध हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि उसे पकड़ते समय गोली लगी थी और वह अस्पताल में भर्ती था, जहां उसकी मौत हो गई। हमलावर की पहचान 26 वर्षीय डकोटा हॉवर के रूप में हुई है, जो रेनो का ही रहने वाला था। उसे सोमवार को गोलीबारी के बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बृहस्पतिवार सुबह पुलिस ने उसकी मौत की पुष्टि की।

बाल सुरक्षा मामले में एक्स की अपील खारिज, कानूनी खर्च भुगतान का निर्देश

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की एक अपील कोर्ट ने बृहस्पतिवार को अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी एक्स कॉर्प के खिलाफ फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी। अदालत ने एक्स के प्लेटफॉर्म पर व्यापक बाल शोषण सामग्री से निपटने के तरीके के बारे में विस्तृत जानकारी मांगने को चुनौती देने वाली याचिका को अनुचित बताते हुए सुनवाई से बाहर कर दिया।

तुर्किस एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप! बोइंग 777 में धुआं निकलते ही उड़ान हुई खाली

ताइपे, एजेंसी। तुर्की के अंताल्या हवाई अड्डे पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तुर्की एयरलाइंस के एक बोइंग 777 विमान के लैंडिंग गियर में धुआं दिखाई देने के बाद सभी यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड के ज़रिए सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह विमान इस्तांबुल से आया था और जब यह रनवे पर चल रहा था तभी धुआं देखा गया। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ। एयरलाइन के प्रवक्ता याह्या उस्तुन ने बताया कि सुरक्षा उपायों के तौर पर आपातकालीन टीमों ने तुरंत विमान को खाली करने की सलाह दी थी। उन्होंने आगे कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि धुआं निकलने का कारण एक खराब हाइड्रोलिक पाइप था। खराबी के सही कारण का पता लगाने के लिए विमान का तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है। तुर्की के राज्य हवाई अड्डा प्राधिकरण के महानिदेशक एनेस काकमक ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा, टैक्सीइंग (रनवे पर चलने) के दौरान लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया जिसे हवाई यातायात नियंत्रक ने देखा और तुरंत पायलट को सूचित किया। इसके बाद कंट्रोल टॉवर और विमान बचाव और अग्निशमन इकाइयों (ङ्कक्ष्रस्न) के बीच तुरंत समन्वय स्थापित किया गया और टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। उन्होंने ङ्क पर एक वीडियो भी साझा किया जिसमें आपातकालीन दल लैंडिंग गियर पर पानी डालते हुए दिखाई दे रहे थे।

विटकॉफ-हुकाबी गाजा में खाद्य वितरण का करेंगे निरीक्षण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को इस्राइल पहुंचे। वह गाजा में लोगों की बिगड़ती हालत पर चर्चा करेंगे, जहां बहुत से फलस्तीनी खाना और मदद पाने का इंतजार करते हुए मर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि शुक्रवार को स्टीव विटकॉफ और अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी गाजा में खाद्य सामग्री वितरण का निरीक्षण करेंगे। बृहस्पतिवार को गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में मदद पाने की कोशिश करते हुए कम से कम 91 फलस्तीनी मारे गए और 600 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मंत्रालय ने यह भी बताया कि इनमें से 54 लोग वे थे जो बुधवार को गाजा के उत्तर में जिकिम क्रॉसिंग के पास खाना मिलने का इंतजार कर रहे थे। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई लोग अभी भी गिनती में नहीं आए हैं और उन्हें उन अस्पतालों में ले जाया गया है जहां इलाज की सुविधा बहुत कम है।

रूस ने कीव पर रातभर दागे ड्रोन और मिसाइलें, 13 लोगों की मौत; 130 से ज्यादा घायल

कीव, एजेंसी।
रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बुधवार रातभर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मरने वालों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा, हमले में 132 लोग घायल भी हुए हैं।

यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, घायल लोगों में 14 बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक पांच महीने की बच्ची भी है। सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है, जिसमें एक साथ इतने बच्चे घायल हुए हैं।

हमले में नौ मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा: कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में एक नौ मंजिला इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। वहीं, क्षतिग्रस्त इमारत में रहने वाली 35 वर्षीय याना झाबोरोवा ने बताया कि तेज धमाकों की आवाज से उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि हमलों की वजह से घर के दरवाजे और खिड़कियां टूट गईं। पांच महीने के शिशु और पांच साल के बच्चे की मां झाबोरोवा ने कहा, यह सिर्फ तनाव और सदमा है, कुछ भी नहीं बचा है।

कीव में 100 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त: तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 जगहों पर हमला हुआ है, जिसमें सोलोमिंस्क्यी और स्वियातोशिनस्क्यी जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि कीव में 100 से ज्यादा इमरातें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें घर, स्कूल, किंडरगार्टन, चिकित्सा केंद्र और विश्वविद्याल शामिल हैं।

रूस ने रातभर में 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं: यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में कुल 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं। इनमें से यूक्रेनी सेना ने 288 ड्रोन और तीन मिसाइलों को रोक दिया। लेकिन पांच मिसाइलें और 21 ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। डेनेट्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फिलाश्किन के अनुसार, रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेनी शहर क्रामाटोर्स्क में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 11 अन्य घायल हो गए।

भारतीय हाई कमिश्नर ने साइप्रस के पर्यटन मंत्री से की मुलाकात, सीधी उड़ान को लेकर हुई बात

निकोसिया , एजेंसी। भारत और साइप्रस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। इसी कड़ी में भारत के हाई कमिश्नर (उच्चायुक्त) मनीष ने निकोसिया में साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन सहयोग को और बढ़ाना था। बैठक में दोनों पक्षों ने विशेष पर्यटन पहलों के माध्यम से सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। साथ ही यह भी विचार किया गया कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए एयरलाइंस को किस तरह से जोड़ा जा सकता है।

इस बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि दोनों देशों के बीच संपर्क को और गहरा किया जाएगा। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ऐतिहासिक विरासत के माध्यम से रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में गंभीर चर्चा हुई।

भारत के साइप्रस स्थित उच्चायोग ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी, उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की और पर्यटन सहयोग को बढ़ाने के लिए विशेष पहलों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर भी बातचीत हुई।

पोस्ट में आगे कहा गया, भारत और साइप्रस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के बीच, इस बैठक में द्विपक्षीय पर्यटन को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और फिल्म निर्माण में संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर रिश्तों को मजबूत करने, आपसी पहचान को बढ़ावा देने और ऐतिहासिक संवाद के माध्यम से रिश्तों को गहरा करने की प्रतिबद्धता दिखाई दी। जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस की यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स से विस्तृत बातचीत की थी। इस बातचीत में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों नेताओं ने पर्यटन बढ़ाने और भारत-साइप्रस के बीच सीधी हवाई सेवा की संभावनाओं पर भी बात की थी। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक और जन-जन के संपर्क को बढ़ावा देने को विशेष महत्व दिया।

क्यों हो रहे बार-बार प्लेन हादसे, सामने आई बड़ी वजह...वैज्ञानिकों की चेतावनी

लंदन। हवाई यात्रा के दौरान झटके यानी टर्बुलेंस कोई नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ सालों में यह घटनाएं अधिक बार और ज्यादा खतरनाक होती जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से अब आसमान पहले से कम स्थिर हो गया है, जिससे उड़ानों में अचानक आने वाले झटकों की संभावना तेजी से बढ़ रही है। इससे यात्रियों को गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है और कुछ मामलों में जान भी जा सकती है।

न्यूजीलैंड जा रहे प्रोजेक्ट मैनेजर एंड्रयू डेविस ने साल 2024 में म्यांमार के पास आए तूफान के दौरान इस तरह का अनुभव किया। उन्होंने बताया, यह किसी रोलर कोस्टर की सवारी जैसा था। लोग चिल्ला रहे थे, हर तरफ मलबा और कॉफी बिखरी हुई थी। मेरा आइपेड उड़कर सिर में लग गया। इस घटना में 73 साल के एक यात्री जियोफ किचन की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। हालांकि, टर्बुलेंस से होने वाली मौतें बहुत ही दुर्लभ हैं। 1981 से अब तक ऐसे केवल 4 मामले सामने आए हैं। लेकिन गंभीर चोटों की संख्या में लगातार इज़ाफा हो रहा है। अकेले अमेरिका में 2009 के बाद से 200 से ज्यादा यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें ज्यादातर केबिन क्रू शामिल थे। 2023 में इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, दुनिया भर में फ्लाइट्स के दौरान हुई सभी गंभीर चोटों में से लगभग 40 प्रतिशत सिर्फ टर्बुलेंस की वजह से हुईं। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ेगी, यह समस्या और ज्यादा आम हो जाएगी, खासतौर पर नॉर्थ अटलांटिक जैसे व्यस्त फ्लाइट रूट्स पर।

चौंकी मेडिकल साइंस! जन्मे दुनिया के 'सबसे बुजुर्ग नवजात', उम्र जानकर उड़ जाएंगे होश

लंदन , एजेंसी।
जहां एक ओर जलवायु परिवर्तन और बदलती जीवनशैली प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है वहीं विज्ञान हर दिन नई उम्मीदें जगा रहा है। हाल ही में एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां 1992 में फ्रीज किए गए एक भ्रूण से जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ है। इन बच्चों ने दुनिया के सबसे बुजुर्ग नवजात का रिकॉर्ड बनाया है क्योंकि इनका भ्रूण 30 साल से भी ज़्यादा समय तक जमा था।

राहेल और फिलिप रिडवे के घर 31 अक्टूबर को लिडिया और टिमोथी रिडवे नाम के जुड़वा बच्चों ने जन्म लिया। नेशनल एम्ब्रियो डोनेशन सेंटर के अनुसार इन दोनों बच्चों का जन्म सबसे लंबे समय तक फ्रोजन रहे भ्रूण से हुआ है। इससे पहले का रिकॉर्ड मौली गिब्सन के नाम था जो 2020 में एक ऐसे भ्रूण से पैदा हुई थीं जिसे लगभग 27 वर्षों तक जमा करके रखा गया था।

फिलिप रिडवे ने कहा कि जब इन भ्रूणों को 1992 में फ्रीज किया गया था तब वह खुद सिर्फ 5 साल के थे। उन्होंने कहा, जब ईश्वर ने लिडिया और तीमुथियुस को जीवन दिया तब मैं 5 वर्ष का रहा हूंगा। भगवान तब से उनके जीवन की रक्षा कर रहा है। एक मायने में वे हमारे सबसे पुराने बच्चे हैं भले ही वो हमारे सबसे छोटे बच्चे हैं। रिडवेज के पहले से ही चार बच्चे हैं जिनकी उम्र 8, 6, 3 और लगभग 2 साल है। यह भ्रूण 22 अप्रैल 1992 को जमा किया गया था। तब से लगभग तीन दशकों तक यह तरल नाइट्रोजन में माइनस 200 डिग्री सेल्सियस से नीचे एक छोटे कंटेनर में सुरक्षित रहा। बाद में इस भ्रूण को नॉक्सविल में राष्ट्रीय भ्रूण दान केंद्र को दान कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार जिन लोगों को प्राकृतिक रूप से बच्चे नहीं हो पाते वे आईवीएफ जैसी तकनीकों से अधिक भ्रूण पैदा करते हैं। इन अतिरिक्त भ्रूणों को भविष्य में उपयोग के लिए या तो संरक्षित किया जा सकता है या फिर अनुसंधान के लिए दान किया जा सकता है। इसके अलावा इन्हें उन लोगों को भी दान किया जा सकता है जो बच्चे चाहते हैं।

20 करोड़ डॉलर की लागत से बनेगा व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम, 650 लोगों के बैठने की होगी क्षमता

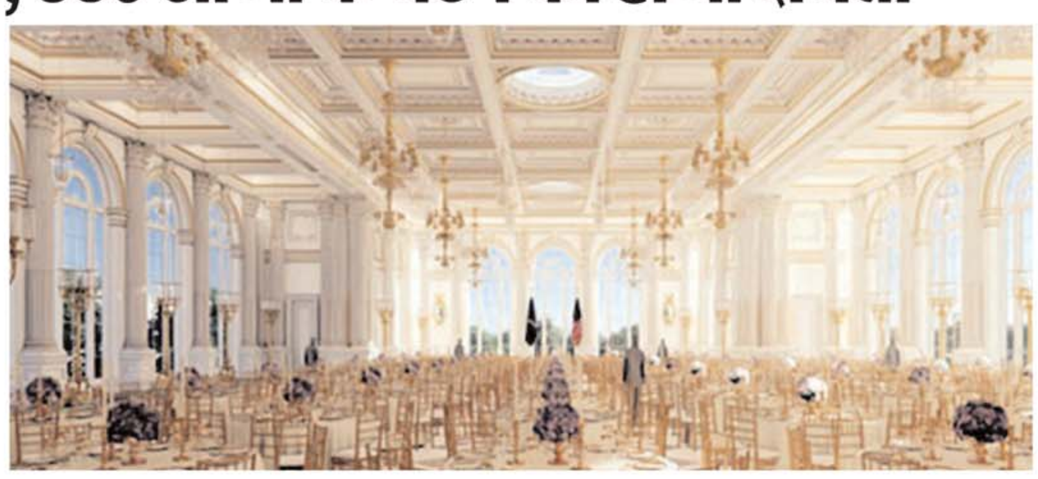

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के व्हाइट हाउस में अब एक नया और बड़ा बॉलरूम बनाया जाएगा। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को इसकी घोषणा की। इसका नाम व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम होगा। इसका क्षेत्रफल करीब 90,000 वर्ग फीट होगा और इसमें 650 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। अभी व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में केवल 200 लोगों के बैठने की जगह है।

व्हाइट हाउस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 150 वर्षों से राष्ट्रपति, प्रशासन और व्हाइट हाउस के कर्मचारी व्हाइट हाउस परिसर में एक ऐसे बड़े आयोजन स्थल की जरूरत महसूस कर रहे थे, जिसमें वर्तमान में अनुमत संख्या से कहीं अधिक अतिथियों को समायोजित किया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जरूरत को समझते हुए इसे पूरा करने का वादा किया है।

अभी बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ व्हाइट हाउस: बयान में कहा गया कि व्हाइट हाउस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक इमारतों में से एक है, फिर भी व्हाइट हाउस वर्तमान में विश्व नेताओं और अन्य देशों के सम्मान में आयोजित होने वाले बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ है, क्योंकि इसके लिए उसे मुख्य भवन के प्रवेश द्वार से लगभग 100 गज दूर एक बड़ा तंबू लगाना पड़ता है। इसलिए अब यह नया बॉलरूम बनाया जा रहा है, जो सुंदर और सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। बयान में कहा गया है कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बॉलरूम के डिजाइन और योजना पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें कीं। इसमें व्हाइट स्टाफ, राष्ट्रीय उद्यान सेवा, व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय और सीक्रेट सर्विस के लोग शामिल थे।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों पर गाज, पाक कोर्ट ने सुनाई करीब 200 लोगों को 10-10 साल की सजा

लाहौर, एजेंसी।
पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया। फैसलाबाद में एक पुलिस थाने पर हमले से संबंधित मामले में 58 आरोपियों को 10-10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अदालत ने नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज तथा पीटीआई के प्रमुख नेता जरताज गुल और साहिबजादा हामिद रजा को 10-10 साल की सजा सुनाई।

न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश से बाढ़, इमरजेंसी लागू

वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी। अमेरिका के पूर्वी तट पर गुरुवार को तेज तूफान और भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके कारण न्यूयॉर्क शहर और न्यू जर्सी में इमरजेंसी की घोषणा करनी पड़ी। तूफान का असर न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक दिखा। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ इलाकों में एक घंटे में 3 इंच (7.6 सेमी) तक बारिश हुई, जिससे नाले और नदियां उफान पर आ गईं। न्यूयॉर्क में मेट्रो स्टेशनों में पानी भर गया। स्टेशन में दीवारों से पानी रिसता दिखा। भारी बारिश के कारण पटरियां पानी में डूब गईं जिससे कई ट्रेनें और यात्री फंस गए। रेस्क्यू टीम ने यात्रियों को बचाया। सड़कों पर पानी भरने से कई गाड़ियां डूब गईं, और एक्सप्रेसवे बंद करना पड़ा। वहीं न्यू जर्सी में 14 हजार से ज्यादा लोग 24 घंटे बिना बिजली के रहे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहर और आसपास के इलाकों में आपातकाल की घोषणा की है। शुक्रवार तक और बारिश की आशंका है। प्रशासन ने लोगों को यात्रा न करने और बाढ़ से बचने की सलाह दी है। 16 जुलाई को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बारिश से बाढ़ आई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। भारी बारिश का कारण मौसम में बड़ा बदलाव बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक समुद्र से उठी ठंडी हवा, गर्म, नम और अस्थिर हवा से टकराया। इसकी वजह से तफान और तेज हो गए।

अमेरिका में चमकी थी दुनिया की सबसे लंबी बिजली

2017 में हुई घटना ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड; वैज्ञानिक भी हैरान

वाशिंगटन, एजेंसी।
अक्टूबर 2017 की एक तारीख थी। अमेरिका के आसमान में तगड़ी बिजली चमकी। बिजली ऐसी कि टेक्सास से लेकर कंसास तक दिखाई पड़ी। अब 8 साल बाद वैज्ञानिकों ने गणना कर यह पाया है कि ये बिजली दुनिया की सबसे लंबी आकाशीय बिजली थी। यह 829 किलोमीटर तक उत्तरी अमेरिका के आसमान में फैली हुई थी।

इस घटना ने 29 अप्रैल 2020 को टेक्सास, लुइसियाना और मिसिसिपी में हुए 768 किलोमीटर लंबे मेगाफ्लैश का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब तक इसे ही दुनिया की सबसे लंबी आकाशीय बिजली माना जाता था। लेकिन अब 2017 की आकाशीय बिजली ने यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

सैटेलाइट से की गई गणना: साइंस अलर्ट के अनुसार, धरती की सतह से 22,236 मील ऊपर त्रह्र्श्वस्-ईस्ट मौसम उपग्रह चक्कर लगाता है। शोधकर्ताओं ने इसी के डेटा का इस्तेमाल कर सबसे विशाल आकाशीय बिजली की गणना की। ऐसी घटनाओं को ग्राउंड बेस्ड लाइटनिंग डिटेक्शन नेटवर्क से पकड़ पाना आसान नहीं होता है। इस कारण इसमें सैटेलाइट का सहारा लिया जाता है।

100 किलोमीटर से अधिक के फैलाव वाले आकाशीय बिजली को दुर्लभ घटना माना जाता है और इसे मेगाफ्लैश कहते हैं। मेगाफ्लैश को ट्रैक करने में बेहद सावधानी बरतनी पड़ती है। सैटेलाइट से मिले डेटा को ग्राउंड बेस्ड डेटा से मिलाकर थ्री डी मैपिंग की जाती है और फिर गणना की जाती है। कई बार बादलों द्वारा बिजली के कुछ हिस्सों को ढक लिए जाने पर सही गणना नहीं हो पाती है। आकाशीय बिजली एक अद्भुत प्राकृतिक घटना है, जो वायुमंडलीय विक्षोभ के कारण कणों के टकराने और विद्युत आवेश उत्पन्न होने पर घटित होती है। आवेश के बढ़ने के साथ ही बिजली एक विशाल विस्फोट के रूप में निकलती है और इससे आकाशीय बिजली पैदा होती है। वैज्ञानिकों ने संभावना जता है कि इससे भी बड़ी संभावनाएं मौजूद हो सकती हैं।

सिराज तो कपिल देव बन गए! 34 सालों में पहली बार हुआ ऐसा

150 प्लस ओवर डाले दो टेस्ट सीरीज में

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद सिराज नहीं जनाब, कपिल देव कहिए. आप सोच रहे होंगे कि हम ऐसा क्यों कह रहे हैं? तो इसके पीछे की वजह है सिराज का वो हैरतअंगेज कारनामा, जो उनसे पहले आखिरी बार भारतीय क्रिकेट में अगर किसी तेज गेंदबाज ने किया था तो वो कपिल देव थे. इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मोहम्मद सिराज अपनी गेंदबाजी से छाए हैं. वो इस सीरीज में सबसे सफल गेंदबाज बनकर उभरे हैं. लेकिन, विकेटों के लगाए ढेर का उनके कपिल देव जैसा होने से कोई मतलब नहीं. बल्कि, हम तो ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जो काम 34 साल पहले कपिल देव ने किया था, वो अब सिराज ने कर दिखाया है. अब सवाल है कि कपिल देव ने 34 साल पहले क्या किया था? तो उसके तार एक साल के अंदर खेली दो टेस्ट सीरीज में 150 या उससे ज्यादा ओवर डालने से जुड़ा है. कपिल देव ने ऐसा 1991-92 में किया था. अब 34 सालों बाद सिराज ने भी वही काम किया है. उन्होंने भारत के लिए एक साल के अंदर खेली दो टेस्ट सीरीज में 150 प्लस ओवर डाले हैं.

एक साल के अंदर- दो सीरीज में 150+ ओवर

मोहम्मद सिराज ने साल 2024-25 में ये दोनों टेस्ट सीरीज खेली. पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने 157.1 ओवर डाले. जबकि इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में वो अब तक 155.2 ओवर फेंक चुके हैं. इससे सिराज की फिटनेस के साथ-साथ टीम इंडिया के लिए उनकी उपयोगिता का भी पता चलता है.

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सिराज का प्रदर्शन

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में मोहम्मद सिराज के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 155.2 ओवर की गेंदबाजी कर 18 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान उन्होंने 1 बार 5 या उससे ज्यादा विकेट जबकि 1 बार 4 विकेट लिए. टेस्ट सीरीज में विकेटों की रेस में दूसरे स्थान पर बेन स्टोक्स हैं, मगर वो ओवल में खेला जा रहा आखिरी टेस्ट नहीं खेल रहे. ऐसे में सिराज के पास सीरीज के लीडिंग विकेट टेकर बनने का पूरा चांस है. बाकी भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो सिराज के बाद जसप्रीत बुमराह दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं, जिन्होंने 14 विकेट लिए हैं. वहीं आकाशदीप के नाम फिलहाल 12 विकेट हैं.

दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए ईस्ट जोन की टीम घोषित-ईशान किशन कप्तान, अभिमन्यु उप-कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए ईस्ट जोन की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। इस टीम की कमान भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में कई उल्लेखनीय खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किए गए आकाश दीप, और युवा प्रतिभाशाली रियान पराग शामिल हैं। इसके अलावा, बिहार के 14 वर्षीय अंडर-19 खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को छह स्टैंडबाय खिलाड़ियों में जगह दी गई है।

ईशान किशन (कप्तान)- भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन ने हाल ही में नॉटिंघमशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन-1 में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो अर्धशतक बनाए, जिसके चलते उन्हें ईस्ट जोन का नेतृत्व करने का मौका मिला है। किशन की कप्तानी और विकेटकीपिंग के साथ-साथ उनकी आक्रामक बल्लेबाजी टीम के लिए अहम होगी।

अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान) : अनुभवी सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन वर्तमान में भारतीय टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। उनकी तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी और अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा ।शमी ने आईपीएल 2025 में खेला था अपना आखिरी मैच भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था, जहां नौ मैचों में छह विकेट लिए थे।

कैनेडियन ओपन

चौथे दौर में पहुंचे टेलर फ्रिट्ज और बेन शेल्टन

टोरंटो, एजेंसी। दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने गेब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर कैनेडियन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। टेलर फ्रिट्ज 2022 में इंडियन वेल्स में जीत के बाद अब दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश में हैं। फ्रिट्ज का अगला मुकाबला 19वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका से होगा। चेक खिलाड़ी लेहेका ने 15वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 3-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त देकर आगे का रास्ता तय किया। फ्रिट्ज ने मैच की शुरुआत में ब्रेक लिया और डायलो को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। अमेरिकी खिलाड़ी ने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया और हर बड़े अंक पर बढ़त बनाने की कोशिश करते दिखे। एक बार जब उन्होंने ब्रेक लेकर 3-1 की बढ़त बना ली, ऐसा लगने लगा कि जीत तय है। इसके बाद उन्होंने एक और ब्रेक लिया और आसानी से मैच अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर, चौथे वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने ब्रैंडन नकाशिमा को 6-7(8), 6-2, 7-6(5) से हराकर एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 5-0 की बढ़त बना ली।इस सीजन में दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट (इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल) के चौथे दौर में पहुंचकर, शेल्टन अपनी 100वीं टूर-स्तरीय जीत हासिल करने से बस एक कदम दूर हैं।

टी20 सीरीज

पाकिस्तान के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में उतरेगी वेस्टइंडीज की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच फ्लोरिडा में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। यह मुकाबला भारतीय समय के अनुसार तीन अगस्त की सुबह साढ़े पांच बजे से खेला जाएगा। वेस्टइंडीज की टीम सीरीज का अपना पहला मैच गंवा चुकी है। श्रृंखला में बने रहने के लिए वेस्टइंडीज को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। दोनों देशों के बीच यह मैच फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला जाएगा, जहां की पिच शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, यहां की पिच धीमी हो सकती है, जिससे रन बनाना मुश्किल होगा। ऐसे में स्पिनर यहां कुछ ओवरों के बाद दबदबा बना सकते हैं। इस मुकाबले में सईम अयूब, फखर जमान, हसन नवाज और कप्तान सलमान आगा से पाकिस्तान को बल्लेबाजी में खासा उम्मीदे हैं, जबकि गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ और फहीम अशरफ टीम को मजबूती दे सकते हैं। सईम अयूब भी गेंद से चमक बिखेर सकते हैं।वहीं, वेस्टइंडीज के खेमे को कप्तान शाई होप के अलावा शेरफेन रदफोर्ड, जेसन होल्डर, शमर जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स और ज्वेल एंड्रयू से खासा उम्मीदे होंगी।

डूरंड कप

क्लेटन सिल्वा के चार गोल, डायमंड हार्बर एफसी ने बीएसएफ एफसी को 8-1 से रौंदा

कोलकाता, एजेंसी। किशोर भारती क्रीड़ांगन (केबीके) में खेले गए इस मुकाबले में स्ट्राइकर क्लेटन सिल्वा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल (2', 35', 71', 90+3') दागे। उनके साथ ही फॉरवर्ड लुका माजसेन ने दो गोल (7', 39') किए, जबकि पॉल (53') और जॉबी जस्टिन (67') ने भी स्कोरशीट में नाम जोड़ा। बीएसएफ एफसी की ओर से एकमात्र गोल किशोरी ने 90वें मिनट में किया।

134वें डूरंड कप में डायमंड हार्बर एफसी ने अपने विजयी अभियान को जारी रखते हुए बीएसएफ एफसी को ग्रुप बी के मुकाबले में 8-1 से करारी शिकस्त दी। किशोर भारती क्रीड़ांगन (केबीके) में खेले गए इस मुकाबले में स्ट्राइकर क्लेटन सिल्वा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल (2', 35', 71', 90+3') दागे। उनके साथ ही फॉरवर्ड लुका माजसेन ने दो गोल (7', 39') किए, जबकि पॉल (53') और जॉबी जस्टिन (67') ने भी स्कोरशीट में नाम जोड़ा। बीएसएफ एफसी की ओर से एकमात्र गोल किशोरी ने 90वें मिनट में किया।

विश्व शतरंज चैंपियन दिव्या को मिले तीन करोड़ रुपए

नागपुर, एजेंसी। दिव्या नागपुर की मूल निवासी हैं जहां से मुख्यमंत्री फडणवीस भी आते हैं। दिव्या ने शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस और नागपुर के लोगों का धन्यवाद किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को यहां फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख को सम्मानित किया और उन्हें तीन करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। 19 साल की दिव्या 28 जुलाई को महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने फाइनल के टाई ब्रेकर में हमवतन कोनेरू हम्पी को हराया जिससे वह खिताब जीतने के साथ ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। दिव्या नागपुर की मूल निवासी हैं जहां से मुख्यमंत्री फडणवीस भी आते हैं। दिव्या ने शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस और नागपुर के लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जीवन में ऐसे पल बहुत कम ही मिलते हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत खास पल है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं बच्चों के लिए प्रोत्साहन और प्रेरणा का एक छोटा सा हिस्सा बन सकी। मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार और महाराष्ट्र शतरंज संघ को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिव्या को नकद पुरस्कार के रूप में तीन करोड़ रुपये का चेक सौंपा।

एक ओवर में 45 रन! अफगान बल्लेबाज उस्मान गनी ने रचा इतिहास

ईसीएस T10 में बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर जब तूफान आता है, तो स्कोरबोर्ड भी हिल जाता है और इस बार तूफान बने अफगानिस्तान के बल्लेबाज उस्मान गनी, जिन्होंने एक ओवर में 45 रन ठोककर नया विश्व रिकॉर्ड बना डाला. ऐसा कारनामा इससे पहले प्रोफेशनल क्रिकेट में कभी नहीं हुआ था.

एक ओवर में बने 45 रन, कैसे?

टूर्नामेंट में 1 अगस्त को लंदन काउंटी क्रिकेट क्लब और गिल्डफोर्ड के बीच मुकाबला खेला गया. लंदन की ओर से ओपनिंग करने उतरे उस्मान गनी ने गिल्डफोर्ड के गेंदबाज विल एर्नी के ओवर में तबाही मचा दी. गनी ने एक ओवर में 6+ नो बॉल, 6, 4+वाइड , 6, 4+नो बॉल, 6, 0, 6, 4 की स्ट्राइकिंग से कुल 45 रन बटोर लिए. इस ओवर में बल्लेबाज ने अकेले 42 रन बनाए, जबकि 3 रन एक्स्ट्रा (2 नो बॉल और 1 वाइड) के रूप में आए. इससे पहले किसी बल्लेबाज ने एक ओवर में इतने रन नहीं बटोरे थे. यह अब तक का प्रोफेशनल क्रिकेट में सबसे महंगा ओवर बन गया है.

उस्मान गनी की तूफानी पारी

मैच में उस्मान गनी पूरी तरह लय में दिख रहे थे. उन्होंने 43 गेंदों में नाबाद 153 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 17 छक्के शामिल थे. उनकी स्ट्राइक रेट 355.81 का रहा. उनके जोड़ीदार ईस्माइल बहरामी ने भी अपनी बल्लेबाजी से मैदान पर धूल उड़ा दी. उन्होंने 19 गेंदों पर 61 रन ठोके. दोनों की साझेदारी की बदौलत लंदन काउंटी ने 10 ओवर में 226/0 का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था.

गिल्डफोर्ड को 71 रन से हार

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गिल्डफोर्ड की टीम इतने विशाल लक्ष्य का सामना नही कर पायी और पूरी टीम माझ 155 रन ही बना सकी और 71 रन से मैच हार गई. उनके कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाया.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूरी और आरोप

29 वर्षीय उस्मान गनी अफगानिस्तान के लिए 17 वनडे और 35 टी- 20 खेल चुके हैं. उन्होंने 2014 में इंटरनेशनल डेब्यू किया थ, लेकिन 2023 में गनी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था. उनका कहना था कि वह तभी वापसी करेंगे जब बोर्ड में सही मैनेजमेंट और ईमानदार सेलेक्शन कमिटी होगी.

मन्नेपल्ली के बाद लक्ष्य भी मकाऊ ओपन से बाहर, दोनों को सेमीफाइनल में मिली हार

मकाऊ, एजेंसी। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य के लिये यह सत्र कठिन रहा है जो सात बार पहले और दो बार दूसरे दौर से बाहर हो गए।

भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया है। लक्ष्य सेन और तरूण मन्नेपल्ली पुरूष एकल सेमीफाइनल मुकाबले हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य को इंडोनेशिया के अलवी फरहान ने 39 मिनट में 21-16, 21-9 से हराया। वहीं तरूण मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह ने तीन गेम के मुकाबले में मात दी । विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज 23 वर्ष के मन्नेपल्ली ने मजबूत शुरूआत की लेकिन कई गलतियों के कारण एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 16-21 से हार गए।

दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य के लिये यह सत्र कठिन रहा है, जो सात बार पहले और दो बार दूसरे दौर से बाहर हो गए। कंधे, कमर और टखने की चोटों से जूझ रहे लक्ष्य ने पेरिस में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले आत्मविश्वास हासिल करने के लिये यह टूर्नामेंट खेला था।2003 विश्व जूनियर चैम्पियन फरहान ने शानदार प्रदर्शन करके उन्हें फाइनल में जगह नहीं बनाने दी। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज फरहान ने 0-3 से शुरूआत करके पहले गेम के पहले ब्रेक तक 11-7 की बढत बना ली। उन्होंने बेहतरीन ड्रॉप शॉट, रेलियां और स्मैश लगाते हुए लक्ष्य को दबाव में ला दिया।

लक्ष्य ने भी कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाये लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही । बैकहैंड विनर लगाकर उन्होंने स्कोर 13-19 किया लेकिन फरहान ने उनका शॉट नेट में जाने के बाद पांच अंक लेकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। फरहान ने 5-4 की बढ़त बना ली और 38 शॉट की

रेली उनके बेहतरीन क्रॉस स्मैश पर खत्म हुई। ब्रेक तक फरहान के पास 11-5 की बढत थी । इसे उन्होंने 14-6 कर लिया। लक्ष्य का शॉट वाइड जाने और फिर शटल नेट में फंसने के कारण फरहान को 12 मैच प्वाइंट मिले जिस पर उन्होंने मैच अपने नाम कर लिया। पहले मैच में मन्नेपल्ली ने शुरूआत शानदार की और 11-6 से बढत भी बना ली लेकिन सहज गलतियों के कारण दबाव में आ गए। जस्टिन होह ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए वापसी की। मन्नेपल्ली ने हालांकि फिर बढ़त बनाकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी मन्नेपल्ली की गलतियों का सिलसिला जारी रहा और जस्टिन ने 8-6 से बढत बना ली। मन्नेपल्ली ने 13-13 से वापसी की लेकिन इसके बाद उनके दोनों शॉट बाहर निकल गए। जस्टिन ने 17-14 की बढत बना ली और फिर मन्नेपल्ली की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर चार अंक लेकर गेम अपने नाम किया।

प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न, कलेक्टर रणबीर शर्मा ने किया निरीक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा बीते रविवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 01:15 बजे तक आयोजित की गई। जिले में कुल 6 परीक्षा केंद्रों में यह परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 2047 परीक्षार्थियों में से 1841 परीक्षार्थी उपस्थित हुए एवं 206 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा एक नोडल अधिकारी एवं दो उड़नदस्ता दलों की नियुक्ति की गई थी, जिन्होंने परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण वातावरण एवं सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

इस दौरान कलेक्टर रणबीर शर्मा स्वयं शासकीय जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा पहुंचे और परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, समय पालन, प्रवेश प्रक्रिया एवं परीक्षार्थियों की सुविधा का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो और पूर्ण पारदर्शिता व अनुशासन के साथ परीक्षा सम्पन्न हो।

परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सभी परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश पत्र के साथ मूल फोटो पहचान पत्र अनिवार्य किया गया था। साथ ही, प्रातः 10:00 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, स्मार्ट वॉच एवं अन्य किसी भी डिजिटल डिवाइस के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। परीक्षा से एक दिन पूर्व सभी केंद्राध्यक्षों, वीक्षकों एवं ऑब्जर्वरों की ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए थे।

परीक्षा केंद्रवार उपस्थिति विवरण इस प्रकार है-शा. पं.ज.ला.न. कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा ङ्क 480 में से 434 उपस्थित, 46 अनुपस्थित

लक्ष्मण प्रसाद वैष्णव शासकीय कन्या महाविद्यालय, बेमेतरा ङ्क 360 में से 319 उपस्थित, 41 अनुपस्थित

शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा ङ्क 360 में से 327 उपस्थित, 33 अनुपस्थित

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल, बेमेतरा ङ्क 360 में से 320 उपस्थित, 40 अनुपस्थित

ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, बेमेतरा ङ्क 360 में से 324 उपस्थित, 36 अनुपस्थित

स्वामी आत्मानंद शासकीय शिबलाल रानी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, बेमेतरा ङ्क 127 में से 117 उपस्थित, 10 अनुपस्थित

परीक्षा का संचालन पूर्णतः निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में किया गया। जिला प्रशासन, उड़नदस्ता दल, समन्वय संस्था, केंद्राध्यक्ष, वीक्षक, पुलिस प्रशासन तथा शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों के संयुक्त सहयोग से यह परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।

बेरला में मंडल कांग्रेस कमेटी गठन को लेकर कांग्रेस की बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड बेरला में मंडल कांग्रेस कमेटी के गठन को लेकर बैठक हुई जिसमें प्रभारी एवं पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अवनीश राघव तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा भी शामिल रहे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रभारी अवनीश राघव ने कहा कि मंडल कांग्रेस कमेटी सीधे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेताओं से जुड़ी रहेगी तथा समय-समय पर शीर्ष नेतृत्व से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहेगी मंडल कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा तथा ऐसे जमीनी कार्यकर्ता जो कांग्रेस की रीति नीति को आत्मसात करते हैं उन्हें मंडल कांग्रेस कमेटी में प्राथमिकता से स्थान दिया जाएगा पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मंडल कांग्रेस कमेटी का गठन कांग्रेस के सक्रिय सदस्यों की एक नई कमेटी है जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में काम करेगी तथा जमीन पर कांग्रेस के लिए वातावरण तैयार करेगी मंडल कांग्रेस कमेटी में पार्टी के जुझारू तथा समर्पित कार्यकर्ताओं को स्थान दिया जाएगा एवं उनके द्वारा लगातार जनसंपर्क एवं आम जनता के बीच से उठने वाली आवाज को कांग्रेस अपनी आवाज बनाएगी इसलिए आवश्यक है मंडल कांग्रेस कमेटी में समर्पित एवं सक्रिय लोगो को ही मौका मिले कांग्रेस पार्टी अपने प्रारंभ से आज तक जनता की आवाज बनकर जनता के बीच उपस्थिति रही है और आगे भी रहेगी सरकारें आती रहेगी जाती रहेंगी लेकिन कांग्रेस का सच्चा सिपाही जिसका उद्देश्य ही जनहित एवं देश हित में अपना सर्वोत्तम योगदान देने का रहा है और वह हम देते रहेंगे इस अवसर पर अवनीश राघव जी ब्लॉक प्रभारी बेरला श्रीमती कविता साहू अध्यक्ष महिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा नेहा सुराणा योगिता साहू आरती पटेल रवि परगनिया बिहारी कौर भारत टी आर जनार्दन भरत भूषण साहू राजेश दुबे सुनील जैन राजेश चंदेल विवेक सिंह राजपूत डॉक्टर जितेंद्र जीत मोनल सिन्हा चंद्र प्रकाश साहू ओम प्रकाश साहू संतोष साहू राधेश्याम वर्मा नवीन साहू नवाज़ खान राधेश्याम दिनेश साहू श्रवण कुमार रमाकांत साहू धनराज बंजारे हेमराज साहू समीर साहू चेतन बंजारे चेतन सिंह योगेंद्र सिंह जितेंद्र जोशी विष्णु साहू रामकुमार साहू अर्जुन देवांगन नारायण हरे वीरेंद्र कुमार इमरान कुरेशी प्रदीप परगनिया अर्पित परगनिया मनहरण परगनिहा रूप लाल निषाद रामखेलावन साहू सुरेश गौरी हरिशंकर नोहर देवांगन डीधोरण साहू गन्नू राम उपस्थित रहे ।

नशे के प्रति जागरूक करने पुलिस ने कराई फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजन

दतिमा मोड़ /मूक पत्रिका

सूरजपुर जिले के उमनि,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देशानुसार युवा वर्ग नशे के गिरफ्त में फंसते जा रहा है इसी तारतम्य में क्षेत्र में खेलों का आयोजन करने हेतु निर्देशित करने चौकी लटोरी अंतर्गत ग्राम हीराडबरी में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन चौकी लटोरी पुलिस के द्वारा किया गया। जिसमें ग्राम अनुज नगर तथा संबलपुर के बीच फुटबॉल का फाइनल मैच खेला गया जिसमें विजेता अनुज नगर उपविजेता, संबलपुर रहे, दोनों टीम के खिलाड़ियों को शील्ड ट्रॉफी देकर प्रोत्साहित करते हुए कहा गया कि खेल को हमेशा खेल की भावना में खेले तथा नशे से अपने समाज को तथा लोगों को दूरी बनाए रखने हेतु कार्य करते रहें, इस कार्यक्रम में क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य किरण केराम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा, मंडल अध्यक्ष लटोरी ठाकुर पैकरा, महिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन शर्मा, संबलपुर सरपंच कवल बिहारी सिंह, हरि सिंह, नरेश चौधरी, आसपास के ग्रामीण जन, लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता, एवं दिलेश्वर, अंबिका सिंह सुनील एक्का, सोभनाथ कुशवाहा, संतोष जायसवाल, मनोज भोला, उपस्थित रहे।

भारी बारिश और हाइड्रो पावर प्लांट से फसलें तबाह, प्रशासन ने मुआवजा जांच के लिए बनाई टीम

खबर का असर

सूरजपुर/भैयाथान् /मूक पत्रिका

डुबान से तबाह हुई किसानों की मेहनत, 40 से अधिक खेतों में फसलें बर्बाद, हाइड्रो पावर प्लांट की लापरवाही से ग्रामीण आक्रोशित

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

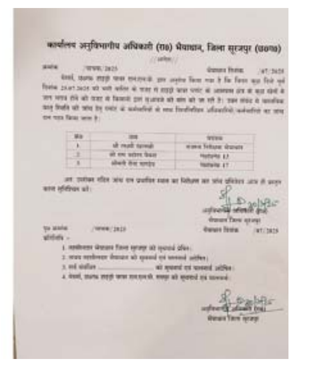
कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

सूरजपुर जिले के भैयाथान क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश और हाइड्रो पावर प्लांट से निकासी व्यवस्था में लापरवाही के चलते कई गांवों के किसानों की फसलें जलमग्न हो गई। इस प्राकृतिक आपदा से बर्बाद हुई फसलों और ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल जांच टीम का गठन किया है। हाइड्रो पावर एलएलपी द्वारा मुआवजे की मांग और क्षेत्र की वस्तुस्थिति की जांच के लिए राजस्व निरीक्षक लक्ष्मी खलखो की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है, जिसमें राम बहादुर एक्का (पटवारी हल्का 13) और रीता पाण्डेय (पटवारी हल्का 17) शामिल हैं। यह टीम प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मीडिया की रिपोर्टों का असर, प्रशासन पर बढ़ा दबाव- स्थानीय मीडिया द्वारा लगातार उठाई जा रही किसानों की आवाज़ और जनप्रतिनिधियों के दबाव के बाद प्रशासन को हरकत में आना पड़ा। जनप्रतिनिधियों ने यहां तक कहा कि जरूरत पड़ी तो जेल जाना मंजूर है, पर किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।भैयाथान जनपद के पखांजूर, जलगांव, गढ़वा और आसपास के गांवों में धान की बुआई हो चुकी थी, लेकिन हाइड्रो प्लांट से निकासी प्रबंधन में चूक और बारिश से खेत डूब गए। कई किसानों ने बताया कि न धान रोप पाए, न जो बो चुके थे, वे बचा पाए। अब उनके सामने रोजी-रोटी, बच्चों की पढ़ाई और कर्ज का संकट खड़ा हो गया है।

ग्रामीणों और किसानों की मांग है कि वास्तविक आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए और दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही हो। अब देखना यह है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन कितनी तेजी से निर्णय लेता है और किसानों को राहत मिलती है या नहीं।

'एक पेड़ माँ के नाम' -हरियाली के साथ ममता का संकल्प

बेमेतरा/मूक पत्रिका ब

वार्ड क्रमांक 02 स्थित आरक्षित केंद्र आवासीय परिसर में बीते रविवार को एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायी वृक्षारोपण कार्यक्रम ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य माँ के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति दायित्व को एक साथ जोड़ते हुए हरियाली को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति, वार्ड पार्षद श्रीमती रीता पांडेय, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, आरक्षित केंद्र के अधिकारीगण एवं समस्त कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। एक वृक्ष, एक स्मृति – माँ के लिए सबसे सुंदर भेंट÷ के संदेश के साथ सभी ने मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक रहा, बल्कि भावनाओं से ओतप्रोत होकर माँ के नाम एक हरित श्रद्धांजलि के रूप में यादगार बन गया।

शास. उच्च. माध्यमिक विद्यालय कोहरौद मे शिक्षक पालक सम्मलेन हुआ संपन्न

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को सुबह 10बजे से दोपहर 3बजे तक शास. उच्च. मा. विद्यालय कोहरौद मे शिक्षक पालक बैठक चला सर्वप्रथम माँ सरस्वती का पूजा अर्चना कर, 12बिंदु पर विशेष विस्तार रुप से बातचित किया गया।साथ ही सभी छात्रों को पालको के साथ बैठा कर विद्यार्थी जीवन के बारे जानकारी दिया एवं अनुशासन मे रहने की कहा गया।जिसमे शाला विकास समिति के पदाधिकारी गढ़, अध्यक्ष गंगा प्रसाद पटेल, उपाध्यक्ष तुलसी पूरेना, पंचदास मानिकपुरी नेतराम सेन, पन्ना लाल रजक, खिलावान साहू, पंचराम फेकर, भुवन पैकरा,मनोज मारकंडे , एवं शिक्षक गढ़ प्रभारी प्राचार्य परमेश्वर सेन , हेमकुमार निराला , डांडे , मनहरे, योगेश साहू, सभी शिक्षक स्टाप तथा पालक गढ़, बुधरू ध्रुव, जीता पटेल, काबिल दास, बेदराम पैकरा,बाबूलाल पटेल,पुना राम पटेल, दयाराम पटेल, एवं समस्त पालक गढ़ उपस्थित रहें।

यातायात सुरक्षा की दिशा में सराहनीय पहल – बकावंड थाना को भेंट किए गए स्टॉपर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु बकावंड थाना को स्टॉपर प्रदान कर सहयोग किया गया है। यह सराहनीय पहल छोटेदेवड़ा स्थित नारायण राइस मिल एवं रज़ा राइस मिल के संचालक तथा जगदलपुर के अमित वेल्डिंग शॉप के मालिक द्वारा की गई।उक्त स्टॉपरों के माध्यम से थाना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने, वाहनों की नियमित जांच एवं सड़क पर अनुशासन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे न केवल वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सकेगी। इस अवसर पर बकावड थाना प्रभारी डोमेन्द्र सिन्हा ने थाना की ओर से सभी भामाशाहों को धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापित किया और कहा कि ऐसे सहयोग से समाज में सुरक्षा की भावना और सशक्त होती है। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के आम नागरिकों से भी अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट का प्रयोग करें तथा सड़क पर जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाएँ।

इस तरह की सकारात्मक पहल से निश्चित रूप से बकावंड थाना क्षेत्र में सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी और आमजन को भी राहत महसूस होगी।

सिंघौरी स्कूल में राखी प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चो को दी हस्तकला की शिक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल सिंघौरी के छात्राओं द्वारा राखी एंव मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता द्वारा निर्मित राखी को रक्षाबंधन के इस त्यौहार पर इस्तेमाल करके ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने हेतु स्वनिर्मित राखी बनाया गया। कक्षा आठवीं की छात्रा नविता वर्मा ने बताया कि मैं पहली बार अपने हाथ से बनाई हुई राखी अपने भाइयों की कलाई पर सजाऊंगी।जिससे अपने आपको गौरान्वित महसूस कर रही हूं। इनके अलावा निशा, दामिनी,ज्योति, तनु,दिव्या,भावना,हिना,कृति,हेमलता ,ललिता,पायल,पूजा,निधि, और दिव्या वर्मा ने भी अपने हाथ से भाईयों के लिए राखी बनाई। प्रधान पाठक मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि स्कूल स्तर पर इस तरह के छोटे छोटे गतिविधियों का आयोजन कराकर बच्चो को सहसंज्ञानात्मक क्षेत्र की ओर भी रुचि बढ़ा सकते हैं। गतिविधियों के माध्यम से बच्चें हस्तकला, शिल्पकला एंव मूर्ति कला के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। शिक्षिका सरस्वती साहू ने बताया कि बच्चें स्वनिर्मित राखी बनाकर अपने कलाओं का विकास तो करती है साथ ही साथ वह बाजार की महंगाई से अपनी पैसे भी बचा सकती है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान शाला में संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा, संकुल समन्वयक धनीराम बंजारे सहित सरस्वती साहू, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर एवं प्रशांत बघेल उपस्थित थे।

रात में बढ़ता खतरा : बकावंड–सरगीपाल मार्ग पर मवेशियों के जमावड़े से हादसों का साया

पूर्ववर्ती गोधन न्याय योजना की कमी महसूस कर रहे ग्रामीण, सवाल– जिम्मेदारी किसकी?

बकावंड /मूक पत्रिका

बकावंड ब्लॉक के अंतर्गत सरगीपाल जनपद पंचायत क्षेत्र में बकावंड से सरगीपाल जाने वाले मुख्य मार्ग पर पालतू मवेशियों का जमावड़ा अब आम नजारा बन चुका है। दिन हो या रात, सड़क पर घूमते ये मवेशी न सिर्फ यातायात में बाधा बनते हैं बल्कि आए दिन दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं।रात के समय खतरा और बढ़ जाता है। कई बार चार पहिया वाहनों की चपेट में आकर मवेशियों की जान चली जाती है। वहीं, मोटरसाइकिल सवारों के लिए ये हादसे और भी खतरनाक साबित होते हैं–कई बार किसी की जान चली जाती है या फिर कोई हमेशा के लिए अपंग हो जाता है। सवाल यह है कि आखिर ऐसी दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार कौन होगा?पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गोधन न्याय योजना के तहत गौठान निर्माण कर मवेशियों की देखभाल और रखरखाव की सराहनीय व्यवस्था की गई थी। इस पहल ने सड़कों से मवेशियों का बोझ कम किया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया। मगर वर्तमान समय में गोधन न्याय योजना की गति धीमी पड़ने से फिर वही पुरानी समस्या लौट आई है। सड़क पर मवेशियों के जमावड़े से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। हादसों के बाद कभी वाहन चालकों पर, तो कभी मवेशी मालिकों पर दोष डाला जाता है, मगर स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास नजर नहीं आते। जरूरत है कि प्रशासन, पंचायत और समाज मिलकर जिम्मेदारी लें और सड़कों को मवेशियों से मुक्त करें, ताकि न तो इंसान की जान जाए और न ही गौ माता की। अन्यथा हर दुर्घटना के बाद यही सवाल बार-बार उठता रहेगा–जिम्मेदार कौन?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।